P372

इंदौर, मंगलवार 01 सितंबर 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 262
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

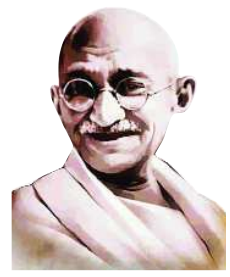

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

शकर के बाद अब प्याज भी हुआ महंगा

पेज-2

18 सितंबर को रिलीज होगी 'ओम का हरि'

पेज-5

निगम के दो वार्डों में जमेगा चुनावी रंग, 29 को मतदान

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- SCO समिट वेन्यू पहुंचे PM मोदी, शी जिनपिंग-अराघची से हाथ मिलाया; पुतिन से भी मिले
- बिहार : औरंगाबाद में नाबालिग से कथित गैंगरेप, 2 आरोपी गिरफ्तार; तीसरे की तलाश जारी
- दिल्ली : मौजपुर प्ले स्कूल सील, फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट और इमरजेंसी एग्जिट नहीं था
- हवाई सफर महंगा होने के आसार : ATF की कीमतों में बढ़ोतरी, घरेलू एयरलाइंस के लिए 6.28 प्रति लीटर महंगा
- बिहार के CM सम्राट चौधरी आज लौटेंगे पटना, मोतिहारी में बाबूधाम महोत्सव का करेंगे उद्घाटन
- छत्तीसगढ़ : पूर्व ष्टरूभूपेश बघेल के PA केके चंद्राकर के घर ED की रेड, 7 ठिकानों पर छापेमारी
- बिहार के भागलपुर में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ा, मदरौनी गांव में बाढ़ जैसे हालात
- तेलंगाना BJP चीफ रामचंदर राव हाउस अरेस्ट, नलगोंडा जाने से रोका गया
- भागने की फिराक में था पटाखा फैक्ट्री विस्फोट का आरोपी... पुलिस एनकाउंटर में नौशाद गिरफ्तार, अस्पताल में भर्ती
- नेपाल बाढ़ में मौत का आंकड़ा 962 पहुंचा
- जम्मू-कश्मीर के राजौरी में भारी बारिश से कलाकोट नदी उफान पर, जनजीवन प्रभावित

शहर में मौसम की बेरुखी से बढ़ा वायरल फीवर

डॉक्टरों के क्लीनिकों पर संक्रमण बुखार के प्रकोप से मलेरिया और टाईफाइड के मरीजों में बढ़ोतरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मौसम में बदलाव के साथ शहर में वायरल फीवर, सर्दी-खांसी और सांस से जुड़ी शिकायतों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। हैं। एमवाय अस्पताल अस्पताल सहित निजी अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ी है। कई मरीजों में वायरल संक्रमण के कुछ बाद खांसी और सांस की परेशानी बढ़ने पर निमोनिया के लक्षण सामने आ रहे हैं। एमवायएच के मेडिसिन विभाग की ओपीडी में पहुंचने वाले 100 मरीजों में करीब 60 मरीज वायरल फीवर से पीड़ित बताए जा रहे हैं।

इस बार कई मरीजों में वायरल की शुरुआत सामान्य बुखार से अलग तरीके से हो रही- इनमें बीमारी बढ़ने पर कुछ मरीजों को निमोनिया के कारण भर्ती तक करना पड़ रहा है। निजी अस्पतालों में भी निमोनिया के लक्षण वाले मरीजों के भर्ती होने की स्थिति बनी है। डॉक्टरों के अनुसार, इस बार कई मरीजों में वायरल की शुरुआत सामान्य बुखार से अलग तरीके से हो रही है। शुरुआत में पैर और कमर में दर्द, शरीर टूटना, कमजोरी और हल्का बुखार रहता है। इसके बाद बुखार बढ़ने के साथ सर्दी, खांसी और गले में खराश की शिकायत होने लगती है।

पहले वायरल, फिर बढ़ रही सांस की परेशानी

अधिकांश मरीजों में संक्रमण की शुरुआत बुखार, बदन दर्द, सिरदर्द, गले में खराश व खांसी से हो रही है। सामान्य वायरल कुछ दिनों में ठीक हो जाता है, लेकिन बुखार बना रहता है और खांसी व सांस फूलने की शिकायत रहती है तो चिकित्सकीय जांच की जरूरत पड़ रही है।

स्वाइन फ्लू जैसे लक्षण से बढ़ी चिंता

तेज बुखार, बदन दर्द, खांसी, गले में खराश और अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण स्वाइन फ्लू सहित कई वायरल संक्रमणों में दिखाई दे सकते हैं। मरीज इन लक्षणों के साथ अस्पताल आ रहे हैं। केवल लक्षणों के आधार पर स्वाइन फ्लू की पुष्टि नहीं की जा सकती।

बुजुर्ग और बीमार मरीजों पर ज्यादा नजर

डॉक्टरों के अनुसार, बुजुर्ग, लगातार तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, अत्यधिक कमजोरी या ऑक्सीजन स्तर कम होने जैसे लक्षण दिखें तो चिकित्सकीय सलाह लें। मरीज बिना चिकित्सकीय सलाह के एंटीबायोटिक शुरू न करें। छोटे बच्चे और पहले से बीमार वायरल संक्रमण में अधिक सावधानी बरतें।

भाजपा नगर अध्यक्ष ने कांग्रेस को पत्र लिखकर विकल्प सुझाए

राहुल की 'छात्रों की गूंज' पर संग्राम सियासत में स्थल का घमासान

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर • दैनिक इंदौर संकेत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए इंदौर में स्थल चयन को लेकर कांग्रेस और नगर निगम के बीच चल रही खींचतान अब राजनीतिक तकरार में बदलती दिखाई दे रही है। आयोजन के लिए स्थान उपलब्ध कराने को लेकर जहां कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है, वहीं भाजपा नेताओं ने इसे मुद्दा बनाकर कांग्रेस पर पलटवार शुरू कर दिया है।

इसी कड़ी में भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को एक व्यंग्यात्मक पत्र लिखकर कार्यक्रम के लिए कई वैकल्पिक स्थान सुझाए हैं। मिश्रा ने कहा कि यदि राहुल गांधी के संवाद कार्यक्रम में लगभग एक से डेढ़ हजार लोग शामिल होने वाले हैं तो अभय प्रशाल सभागृह बेहतर विकल्प हो सकता है। उन्होंने दो से तीन हजार युवाओं की संख्या होने पर दशहरा मैदान और कांग्रेस के 50 हजार विद्यार्थियों से संवाद के दावे पर सुपर कॉरिडोर का सुझाव दिया है।

नगर निगम और कांग्रेस के बीच पहले से चल रही है खींचतान- दरअसल, राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के आयोजन स्थल को लेकर पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस और नगर निगम के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस जहां अपनी पसंद के स्थान पर आयोजन की अनुमति और व्यवस्था चाहती है, वहीं स्थल और व्यवस्थाओं को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। कांग्रेस इसे प्रशासनिक और राजनीतिक दबाव से जोड़कर देख रही है। भाजपा नगर अध्यक्ष ने अपने पत्र में कांग्रेस के 50 हजार विद्यार्थियों के जुटाने के दावे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने हाल के छात्र राजनीति के घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस को पहले यह तय करना चाहिए कि कार्यक्रम में वास्तव में कितनी संख्या में छात्र शामिल होंगे।

इंदौर को लेकर दुष्प्रचार न करें

मिश्रा ने पत्र के माध्यम से जीतू पटवारी से मां अहिल्या की नगरी इंदौर को लेकर किसी प्रकार का भ्रम या दुष्प्रचार नहीं करने की अपील भी की। उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व और कांग्रेस की राजनीतिक दिशा पर भी तीखा व्यंग्य किया। कुल मिलाकर, 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए स्थल चयन का मामला अब केवल आयोजन की व्यवस्था तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नई जंग बनता जा रहा है।

पीएम मोदी ने सोना न खरीदने की फिर से की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी) • पीएम मोदी ने एक बार फिर लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदना चाहिए।' इससे पहले 11 मई को भी क्करू ने देशवासियों से सोना नहीं खरीदने की अपील की थी।

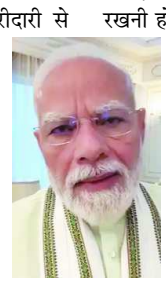

पीएम मोदी ने कहा- देश के अंदर भी कुछ लोग निराशा फैलाने और झूठ के सहारे माहौल खराब करने में लगे हैं। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए भारत ने 7.8% की विकास दर हासिल की है। देश को यही रफ्तार बनाए रखनी होगी और आगे भी तेजी से विकास करना होगा। उन्होंने कहा, विदेश में घूमने के लिए यात्राएं करने और विदेश में शादी करने से बचना चाहिए। लोगों को मेक इन इंडिया के मंत्र के साथ आगे बढ़ना चाहिए। पीएम ने यह भी कहा, जितना ज्यादा स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया जाएगा, भारत उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ेगा।

आज फिर प्रदेश सरकार लेगी 3,600 करोड़ का कर्ज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • राज्य सरकार विकास और उत्पादक योजनाओं एवं परियोजनाओं के नाम पर आज एक बार फिर कुल 3,600 करोड़ का कर्ज लेने जा रही है। इसके लिए सरकार 1 सितंबर को भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई कार्यालय के माध्यम से दो अलग-अलग सरकारी सिक्योरिटी की नीलामी करेगी।

अब कर्ज का कुल आंकड़ा चालू वित्त वर्ष में 51400 करोड़ रुपए हो जाएगा। वहीं नए कर्ज के बाद राज्य सरकार पर कुल कर्ज बढ़कर 5 लाख 40 हजार 114 करोड़ रुपए हो जाएगा।

राज्य सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर दोनों कर्ज की अवधि, राशि, नीलामी और भुगतान की प्रक्रिया स्पष्ट की गई है। पहला कर्ज ?1,600 करोड़ 18 साल के लिए होगा। नीलामी प्लेटफॉर्म RBI का Core Banking Solution (E-Kuber) होगा। इस राशि की ब्याज के साथ अदायगी सरकार जुलाई 2044 तक 7.61 प्रतिशत सालाना ब्याज पर करेगी। ब्याज का हर साल भुगतान 8 जनवरी और 8 जुलाई को किया जाएगा। दूसरा कर्ज 2,000 करोड़ रुपए का 30 साल के लिए लिया जा रहा है।

अब बिना इंटरनेट के भी होगा यूपीआई पेमेंट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • फोनपे ने फोनपे यूपीआई 123 पे लॉन्च करने की घोषणा की है, जिससे बिना इंटरनेट कनेक्शन के भी पूरे भारत में फीचर फोन (कीपैड वाले बेसिक फोन) यूजर्स के लिए यूपीआई पेमेंट की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इसके साथ ही, फोनपे भारत के 200 मिलियन+ कीपैड फोन यूजर्स के लिए यूपीआई पेमेंट की सुविधा देने वाला पहला प्रमुख थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर बन गया है। यह कदम वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और अब तक डिजिटल सुविधाओं से दूर रहे समुदायों को डिजिटल पेमेंट से जोड़ने की दिशा में एक बड़ी पहल है। यह सर्विस नोकिया, एचएमडी, लावा इंटरनेशनल, आईटेल मोबाइल - ट्रांशन होल्डिंग्स डिवाइसेज के साथ प्री-बंडल्ड होगी, तथा आने वाले महीनों में अन्य मोबाइल हैंडसेट्स पर भी उपलब्ध हो जाएगी।

ट्रैफिक सुधार के साथ सफाई पर भी होगी सख्ती, अफसरों के वेतन कटेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर के बिगड़ते ट्रैफिक को सुधारने के लिए नगर निगम ने अब चौराहों पर छोटे-छोटे बदलावों से राहत देने की तैयारी शुरू कर दी है। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सोमवार को शहर के प्रमुख चौराहों और जंक्शनों का निरीक्षण कर ट्रैफिक सुधार के लिए तत्काल काम शुरू करने के निर्देश दिए। वहीं निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था

में लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश देकर सख्त संदेश भी दिया। आयुक्त ने तीन इमली ब्रिज के नीचे, अन्नपूर्णा चौराहा, हरसिद्धि चौराहा, नगर निगम चौराहा, रसोमा चौराहा, मैकेनिक नगर और न्यू पलासिया चौराहे का निरीक्षण किया। तीन इमली, चाणक्यपुरी और रसोमा चौराहे पर लेफ्ट टर्न विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। तीन इमली चौराहे पर सिग्नल लगाने की भी तैयारी है।

17 किमी का ट्रैक इंदौर में दो माह से तैयार, फिर भी मेट्रो का इंतजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में मेट्रो ट्रेन के संचालन का इंतजार लंबा होता जा रहा है। गांधीनगर से रेडिसन चौराहे तक 17 किलोमीटर का ट्रैक तैयार है। छह स्टेशन भी बनकर तैयार हो चुके हैं और इस पूरे हिस्से में अलग-अलग गति पर ट्रायल रन भी पूरा किया जा चुका है। इसके बावजूद सरकार अब तक मेट्रो के नियमित संचालन की तारीख तय नहीं कर पाई है।

24 जून को इस 17 किलोमीटर के हिस्से में मेट्रो संचालन शुरू किया जाना था। इसके लिए लोकार्पण समारोह की तैयारियां भी

की गई थीं, लेकिन अंतिम समय में समारोह टल गया। इसके साथ ही मेट्रो संचालन के लिए सेफ्टी कमिश्नर से मिली अनुमति की मियाद भी समाप्त हो गई। करीब दो महीने बीतने के बाद भी संचालन की नई तारीख घोषित नहीं हुई है।

मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन ने नए सिरे से संचालन की अनुमति मांगी थी। सूत्रों के अनुसार नई अनुमति मिल चुकी है, लेकिन इसकी मियाद भी अगले माह समाप्त हो जाएगी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब ट्रैक और स्टेशन तैयार हैं तथा ट्रायल रन भी पूरा हो चुका है, तो यात्री सेवा शुरू करने में इतनी देरी क्यों हो रही है।

आईटी कर्मचारियों और विद्यार्थियों को होगा फायदा- यह रूट शुरू होने से सुपर कॉरिडोर की आईटी कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों और आसपास के कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। बड़ी संख्या में विद्यार्थी सुखलिया ग्राम और विजयनगर क्षेत्र में रहते हैं और सुपर कॉरिडोर की ओर आवागमन करते हैं।

दिवाली के पहले मूसाखेड़ी ब्रिज की शुरू होगी एक लेन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मूसाखेड़ी ब्रिज के निर्माण की धीमी रफ्तार ने वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा दी है। जून माह तक ब्रिज पूरा बन जाता था, लेकिन अगस्त माह तक एक लेन पर लोहे का स्ट्रक्चर रख दिया गया है। अब उस पर स्लैब डालने का काम शुरू होगा। अक्तूबर माह यानी दिवाली तक ब्रिज की एक लेन तैयार हो जाएगी। दोनों लेन शुरू होने के लिए नए साल तक इंतजार करना पड़ सकता है।

न्यूज ब्रीफ

श्याम सुंदर बिहानी अध्यक्ष नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संघ के नेशनल अध्यक्ष अरविंद सिंह एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुर्गालाल वर्मा की अनुशंसा पर मध्य प्रदेश सुरक्षा मंच के उपाध्यक्ष गोपाल उपाध्याय द्वारा श्याम सुंदर बिहानी को अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संघ के अंतर्गत कार्य करने हेतु इंदौर जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है ।

एसएलएटी 2027 पंजीकरण शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट (एसएलएटी) 2027 के लिए पंजीकरण अब शुरू हो गया है, जो देशभर के विधि (लॉ) की पढ़ाई के इच्छुक अभ्यर्थियों को कानूनी शिक्षा की दिशा में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए आमंत्रित करता है। परीक्षा 19 दिसंबर और 26 दिसंबर 2026 हैं। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) द्वारा आयोजित, एसएलएटी पुणे, नोएडा, हैदराबाद और नागपुर में सिम्बायोसिस लॉ स्कूलों द्वारा दिए जाने वाले प्रमुख अंडरग्रेजुएट लॉ प्रोग्राम्स का प्रवेश द्वार है।

जावा ऑल स्टार्स ने अवॉर्ड-विजेता 42 एफजे के नए रूपों के साथ की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जावा येज़्दी मोटरसाइकल्स ने जावा ऑल स्टार्स की शुरुआत की घोषणा की है, जो उन मूल्यों की एक नई अभिव्यक्ति है जिन्होंने लंबे समय से जावा राइडर्स को परिभाषित किया है। इस नए अध्याय का पहला कदम जावा 42 एफजे के जरिए सामने आया है, जो ब्रांड की नियो-क्लासिक डिज़ाइन भाषा का एक नया और समकालीन स्वरूप पेश करता है।

पर्युषण पर्व पर मांस दुकानें एवं बुचड़ खाने बंद हों

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सकल जैन समाज के आगामी पर्यूषण महापर्व को लेकर *राष्ट्रीय जिनशासन एकता संघ* ने मध्यप्रदेश सरकार से दो प्रमुख मांगें उठाई हैं। संघ के प्रचारक राजेश जैन दद्दू और केंद्रीय संघ नायक राकेश जैन गोहिल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर इस पर त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया है। एवं सरकार के पुर्व आदेश का महापर्व पर सरकार अमल कराएं। 1. ई-अटेंडेंस ऐप में आ रही बाधा, पुराने आदेश का पालन हो।

रानीपुरा में 70 दुकानों के ओटले-पार्टिशन ढहाए, फुटपाथ की 10 गुमटियां हटाईं

फुटपाथ पर दुकान, सड़क पर सामान और कब्जे की 'कमाई' पर निगम की चोट, दुकानदारों का हंगामा

व्यापारियों ने सड़क रोकने की कोशिश की, पुलिस बल ने संभाला मोर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● त्यौहार खत्म होते ही शहर के बाजारों में सजावट और भीड़ के साथ जमा हुआ अतिक्रमण भी अब निगम की नजर में आ गया है। राखी के बाद नगर निगम ने सड़क और फुटपाथ को कब्जामुक्त कराने का अभियान शुरू कर दिया है। सोमवार को रानीपुरा में हुई कार्रवाई ने बाजारों में वर्षों से जमे अतिक्रमण की तस्वीर सामने ला दी। निगम की टीम ने करीब 60 से 70 दुकानों के बाहर बने ओटले और अस्थायी पार्टिशन तोड़े, जबकि फुटपाथ पर खड़ी 8 से 10 गुमटियां भी हटा दी गईं। कार्रवाई का विरोध इतना बढ़ा कि कुछ दुकानदार सड़क पर उतर आए और वाहनों को रोककर जाम लगाने की कोशिश करने लगे।

कार्रवाई के दौरान व्यापारियों ने किया हंगामा

रानीपुरा में कार्रवाई के दौरान रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे और दुकानदारों के बीच तीखी बहस हुई। कुछ दुकानदारों ने दुकानें बंद कराने और रानीपुरा रोड जाम करने का प्रयास किया। सड़क के बीच खड़े होकर वाहनों को रोकने की कोशिश भी की गई। सूचना मिलते ही एसीपी विनोद दीक्षित और रूबिना मिजवानी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दुकानदारों को सड़क से हटाया। इसके बाद निगम की कार्रवाई दोबारा शुरू हो सकी।

रानीपुरा से संजय सेतु की ओर बढ़ी निगम की कार्रवाई में जैसे-जैसे अस्थायी निर्माण हटते गए, सड़क और फुटपाथ की वास्तविक चौड़ाई सामने आने लगी। के लिए जगह बनाने के नाम पर किए गए दुकानों के बाहर सामान रखने और ग्राहकों कब्जों ने पैदल चलने वालों और वाहन चालकों दोनों की परेशानी बढ़ा रखी थी। शहर के कई प्रमुख बाजारों में यही स्थिति बनी हुई है।

जेल रोड तक पहुंचा बुलडोजर- रानीपुरा के बाद निगम की टीम जेल रोड पहुंची और वहां भी अस्थायी निर्माण हटाए। भवन अधिकारी अंकेश बिरथरिया के मुताबिक रानीपुरा शहर के मध्य क्षेत्र में होने के कारण यहां पीक आवर्स में भारी यातायात रहता है। निगम और पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई से पहले कई बार मुनादी कराई गई थी। दुकानदारों को व्यक्तिगत रूप से भी सामान बाहर नहीं रखने और अस्थायी निर्माण हटाने की समझाइश दी गई थी।

फास्ट फॉरवर्ड मोड पर आ खड़ा हुआ है संगीत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जयपुर घराने की चौथी पीढ़ी के गायक और सुप्रसिद्ध जयपुरी ब्रदर्स फ्यूजन म्यूजिक बैंड के शाहरुख़ जयपुरी एवं वसीम जयपुरी का मानना है कि इन्टरनेट की दुनिया का गहरा असर संगीत जगत पर भी पड़ा है। संगीत के नए दौर में युवा पीढ़ी पुराने गीतों को नए अंदाज में सुनना पसंद कर रही है। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में शाहरुख़ जयपुरी एवं वसीम जयपुरी ने कहा कि पुराने दौर में संगीत के लंबे आयोजनों को रसिक श्रोता जाजम पर बैठकर सुना करते थे लेकिन अब वक्त बदल गया है। संगीत के कार्यक्रम और लाइव कंसर्ट में हजारों युवा खड़े होकर म्यूजिक का आनंद लेते हैं। मनचाहे रीमिक्स और गीतों पर जमकर नाचते-झूमते हैं। उन्होंने कहा कि पुराने गीतों को नए अंदाज में पेश करना म्यूजिक डायरेक्टरों के लिए वक्त की जरूरत बन गया है। धुरंधर जैसी फिल्मों के गीत इस बात का उदाहरण हैं। दोनों भाइयों ने बताया कि इन्टरनेट की दुनिया ने म्यूजिक वर्ल्ड को फास्ट फॉरवर्ड मोड पर ला खड़ा किया है। यंग जनरेशन पूरे गीतों को सुनने की बजाए एक मिनट की रील को देखना-सुनना पसंद कर रहे हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी म्यूजिक की श्रोता भी स्मार्ट वर्जन में ढल रहे हैं। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि सुनने वालों ने भी अपनी पसंद के मुताबिक कैटेगरी तय कर ली है। कोई क्लासिकल म्यूजिक सुन रहा है तो कोई ग़ज़ल। कोई भजन पसंद कर रहा है तो कोई सूफी संगीत। जहाँ भी अच्छा संगीत हो रहा है वहां श्रोता जरूर पहुँच रहे हैं।

राज्य स्तरीय 'लक्ष्य मंथन योगासन प्रतियोगिता' का प्रथम क्वालिफाइंग चरण संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● योग, स्वास्थ्य संवर्धन एवं सामाजिक चेतना के व्यापक प्रसार के उद्देश्य से योग आयोग, मध्य प्रदेश शासन के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित राज्य स्तरीय 'लक्ष्य 'मंथन' योगासन प्रतियोगिता' के प्रारंभिक दौर का प्रथम क्वालिफाइंग चरण 30 अगस्त को सेंट अर्नोल्ड हायर सेकेंडरी स्कूल, स्कीम नं. 74, विजय नगर, इंदौर में संपन्न हुआ।

प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं खेल जगत की प्रमुख हस्तियां मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी इंदौर शौर्य मल्होत्रा, एसडीएम (हातोद) राजेश सिंह, सेंट अर्नोल्ड स्कूल के प्राचार्य फादर पायस, क्षेत्रीय खेल अधिकारी इंदौर हेमंत वर्मा एवं प्रशांत महंत विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

89 अनु. जनजाति विकासखण्डों में 'मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम' योजना लागू -राजपूत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि प्रदेश के 20 जिलों के 89 अनुसूचित जनजाति विकासखण्डों की उचित मूल्य दुकानों के आश्रित ग्रामों में राशन सामग्री का परिवहन कर ग्राम में ही वितरण की व्यवस्था के लिये 'मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम' योजना लागू की गई है। योजनांतर्गत 6575 आश्रित ग्रामों के लगभग 7 लाख 13 हजार परिवारों को ग्राम में ही राशन सामग्री का वितरण कराया जाएगा।

शकर के बाद अब प्याज भी हुआ महंगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्थानीय सब्जी मंडी में प्याज बढ़कर 35 से 40 रुपए हो गया। कालोनियों यह 60 रुपए तक प्रति किलों बिक रहा है। प्याज में तेजी की वजह रवि फसल का स्टॉक लगभग समाप्त होना है नई फसल आने में अभी समय है 'इस साल प्याज का उत्पादन उम्मीद से कम हुआ .ऐसे में जरा भी खरीदी का दबाव बढ़ता है तो भाव बढ़ जा रहे हैं नासिक मंडी से आने वाला प्याज भी पूछे स्तर पर बिक रहा है कारोबारी सतीश शर्मा के अनुसार पूर्वी क्षेत्र की मालवा मिल पाटनीपुरा सब्जी मंडी में प्याज 40 से 50 रुपए प्रति किलो बिक रहा है रोबोट चौराहा की तरफ छोटी प्याज 50 से तो बड़ी 60 वंगाली चौराहा तरफ यह 50 से 70 रुपए प्रति किलो मिल रहा है । सतीश बताते हैं कि प्याज में तेजी की वजह रबी फसल का स्टाक समाप्त होगा है । नई खरीफ फसल आने में अभी समय है । बफर स्टाक फरक को फिलहाल बाजार में नही उतारा ।

शिवांगी बंसल को मध्य प्रदेश आइकॉन अवार्ड 2026

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गार्डन बेसिक की फाउंडर शिवांगी बंसल को मध्य प्रदेश आइकॉन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। शिवांगी बंसल को यह अवॉर्ड पर्यावरण संरक्षण, अर्बन गार्डनिंग और सस्टेनेबल लिविंग को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार नए प्रयास करने के लिए दिया गया है।

अवॉर्ड मिलने पर शिवांगी बंसल ने कहा - 'हमारी सोच है कि हर घर में एक पौधा, हर बालकनी में एक गार्डन और हर व्यक्ति का प्रकृति से एक रिश्ता होना चाहिए। गार्डनिंग को घर-घर तक पहुंचाना और ग्रीन इंडिया की दिशा में योगदान देना ही गार्डन बेसिक का असली उद्देश्य है। 'शिवांगी का उद्देश्य गार्डनिंग प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराने के साथ हर व्यक्ति को प्रकृति से जोड़ना और गार्डनिंग को आसान बनाकर उसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना है। इसी मिशन के तहत अब तक 1 लाख से अधिक अर्बन गार्डनर्स को उनके अपने ग्रीन स्पेस तैयार करने में सहयोग दिया जा चुका है।

वार्ड स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा-गुप्ता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आम आदमी पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिला समिति के पदाधिकारियों की महती बैठक इन्दौर प्रेस क्लब के पास सम्पन्न हुई। बैठक में इन्दौर संभाग के प्रभारी एवं पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल गुप्ता ने बताया कि आम आदमी पार्टी द्वारा इन्दौर शहर में वार्ड स्तर पर जन सम्पर्क अभियान चलाया जाएगा साथ ही आम नागरिकों को पार्टी से जोड़ने का वृहद रूप में सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा। प्रदेश के संगठन मंत्री अनुराग यादव, जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा ने कहा कि इन्दौर जिले में पार्टी द्वारा गड्ढे भरो-जान बचाओ आंदोलन पुरे शहर में किया जा रहा है।

सड़क पर हो रहे झगड़े में दखल देने पर कॉलेज स्टूडेंट को चाकू मारा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रविवार रात कनाडिया इलाके में दो युवकों और एक महिला के बीच हो रहे झगड़े में दखल देने की कोशिश करने पर एक कॉलेज स्टूडेंट पर चाकू से हमला किया गया।

कनाडिया पुलिस ने बताया कि बिचोली मर्दाना के रहने वाले स्टूडेंट अर्पित शर्मा की शिकायत पर विजय, रोहित और यशिका नाम की महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

यह घटना तब हुई जब शर्मा अपनी एसयूवी में पेट्रोल भरवाने जा रहे थे। पेट्रोल पंप जाते समय, उन्होंने एक ढाबे के पास अंडर-ब्रिज के पास दो पुरुषों और एक महिला को बहस करते देखा। वे तीनों कथित तौर पर उनकी कार के सामने आ गए, जिससे उन्हें गाड़ी रोकनी पड़ी और उन्होंने उनसे झगड़ा सुलझाने के लिए कहा।

शर्मा ने पुलिस को बताया कि दोनों युवकों के पास चाकू थे। जब उन्होंने वापस अपनी कार में बैठने की कोशिश की, तो विजय ने कथित तौर पर उनके कंधे पर तीन बार चाकू मारा। इसके बाद, रोहित उनके पास आया और उनके पैरों पर दो बार चाकू मारा। शर्मा ने चाकू पकड़कर अपना बचाव करने की कोशिश की।

हमले के बाद, यशिका टू-व्हीलर पर वहां पहुंची। युवक स्कूटर पर सवार हो गए और तीनों वहां से भाग गए। शर्मा ने पुलिस को बताया कि बहस के दौरान वे तीनों एक-दूसरे को नाम से बुला रहे थे, जिससे उन्हें उनकी पहचान करने में मदद मिली।

हमले के बाद मौके पर पहुँचे एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर ने शर्मा की मदद की और उन्हें अस्पताल पहुँचाया। शर्मा का अभी एक प्राइवेट अस्पताल के ट्रॉमा में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और टू-व्हीलर के रजिस्ट्रेशन नंबर के ज़रिए आरोपियों की तलाश कर रही है।

प्रोस्टेट जागरूकता माह में कई आयोजन करेगा मेडिकेयर हॉस्पिटल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दुनिया भर में सितम्बर प्रोस्टेट जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। यह महीना ख़ास तौर पर बड़ी उम्र (55+) के पुरुषों की सेहत, को समर्पित होता है। मेडिकल साइंस के आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 50 - 80% पुरुषों में प्रोस्टेट से संबंधित समस्याओं को देखा जाता है। इन आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए मेडिकेयर हॉस्पिटल के यूरोलॉजी विभाग ने पूरे महीने प्रोस्टेट से जुडी समस्याओं, लक्षण, जांच, बचाव एवं इलाज की जागरूकता और समाधानों पर विशेष फोकस रखने का निर्णय लिया है।

डॉ. लाहोटी का कहना है कि ऐसी स्थिति में जल्द से जल्द किसी विशेषज्ञ यूरोलॉजिस्ट को दिखाना चाहिए. इन लक्षणों के आधार पर बीमारी का स्तर जानने के लिए शारीरिक परीक्षण, प्रोस्टेट का आकार मापने के लिए सोनोग्राफी, मूत्र प्रवाह का आकलन करने के लिए यूरोफ्लोमेट्री परीक्षण, साथ ही पीएसए और अन्य जांचें की जाती हैं। डॉ. लाहोटी के अनुसार प्रोस्टेट की समस्या होने पर लापरवाही से बीमारी होने पर इसका असर सीधे असर किडनी और अन्य अंगों पर भी हो सकता है। इसका केवल एक ही तरीका है कि 50 से 55 वर्ष की उम्र के पुरुषों ने करीब दो साल में एक बार प्रोस्टेट की जांच करवानी चाहिए। इसके अलावा, पीएसए की जांच भी करवाई जानी चाहिए जो प्रोस्टेट ग्रंथि बनाती है।

शासकीय हाई स्कूल मगरखेड़ी के प्राचार्य दामोदर गर्ग का गरिमामय विदाई समारोह संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

मगरखेड़ी (सांवेर) ● शासकीय हाई स्कूल मगरखेड़ी के प्राचार्य दामोदर गर्ग के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में एक भावभीने विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने गर्ग द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दी गई दीर्घकालीन व निष्ठावान सेवाओं की सराहना करते हुए उनके सुखद व स्वस्थ भावी जीवन की कामना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास खंड शिक्षा अधिकारी (सांवेर) पी. डी. सरवैया, सरपंच प्रतिनिधि लाखन पटेल तथा उपसरपंच सोहन सिंह राठौड़ रहे। मुख्य अतिथि पी. डी. सरवैया ने कहा कि एक शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, उनके द्वारा रोपे गए संस्कार और ज्ञान की रोशनी विद्यार्थियों के माध्यम से सदैव समाज का मार्गदर्शन करती रहती है। गर्ग का कार्यकाल अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का उत्तम उदाहरण रहा है। सरपंच प्रतिनिधि लाखन पटेल एवं समस्त युवा मगरखेड़ी ने भी उनके सेवाकाल की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं अतिथियों द्वारा दामोदर गर्ग का शॉल, श्रीफल व स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संघ का प्रादेशिक सम्मेलन संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संघ का प्रादेशिक सम्मेलन आज सोमवार, 31 अगस्त 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एआईजी इंदौर रेंज पंकज शर्मा उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथि एआईजी पंकज शर्मा ने संघ के सभी नवनियुक्त सदस्यों को मानव अधिकारों के विभिन्न पहलुओं और उनके महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने समाज में सुरक्षा और अधिकारों के संतुलन को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। इस प्रादेशिक सम्मेलन में राष्ट्रीय कार्यकारिणी से प्रमुख रूप से दुर्गालाल वर्मा, महेश बघेल और बालकृष्ण मंडोवरा शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट गोपाल उपाध्याय द्वारा की गई। सम्मेलन में संघ के कई पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। आभार श्याम सुंदर बिहानी ने माना।

बेटी बचाओ अभियान के तहत पोस्टर का विमोचन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बेटी बचाओ अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा जनजागरूकता के उद्देश्य से तैयार किए गए पोस्टर का आज कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। पोस्टर के माध्यम से 'बेटी है तो भविष्य है' का संदेश देते हुए आमजन से बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए जिम्मेदारी निभाने की अपील की गई है। पोस्टर में PCP-NDT अधिनियम 1994 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए लिंग परीक्षण, लिंग बताना, पूछना अथवा लिंग चयन करना पूर्णत: प्रतिबंधित होने की जानकारी दी गई है। पोस्टर में यह भी बताया गया है कि भ्रूण के लिंग परीक्षण अथवा PCPNDT अधिनियम के उल्लंघन की जानकारी मिलने पर इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें। अधिनियम के उल्लंघन पर प्रथम अपराध में 3 वर्ष तक का कारावास एवं 10 हजार रुपये तक का जुर्माना तथा पुनरावृत्ति पर 5 वर्ष तक का कारावास एवं 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान दर्शाया गया है।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 का आयोजन 7 से 12 सितंबर तक

परीक्षा केंद्रों पर नवीन त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया लागू

निर्धारित समय से 90 मिनट पूर्व पहुंचना अनिवार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 का आयोजन 7 से 12 सितंबर 2026 तक कुल छह दिनों में किया जाएगा। परीक्षा एक सत्र में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्रदेश के 12 संभाग/जिला पर ऑफलाइन पद्धति से आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार संभागीय मुख्यालय इंदौर के कुल 06 परीक्षा केन्द्र बनाये गए है, जिसमें कुल 2428 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

परीक्षा के सफल, निर्विघ्न एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा केंद्रों पर नवीन त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया लागू की गई है। इस प्रक्रिया के तहत परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी सर्विलेंस, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, एचएचएमडी के माध्यम से तलाशी तथा वीओआईपी की व्यवस्था की गई है। आयोग द्वारा परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की त्रिस्तरीय जांच की जाएगी। उक्त के संबंध में परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

जंजीरवाला चौराहे से अटल द्वार तक खुलेगी नई राह

महापौर ने तेजी से काम करने के दिए निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पूर्वी इंदौर की कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाली जंजीरवाला चौराहे से लक्ष्मी मेमोरियल होते हुए अटल द्वार तक बनने वाली सड़क अब जमीन पर आकार लेने लगी है। लंबे इंतजार के बाद निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार को निर्माणाधीन सडक का निरीक्षण कर जंजीरवाला चौराहे से लक्ष्मी मेमोरियल हॉस्पिटल तक का शेष काम अगले दो माह में पूरा करने के निर्देश दिए। काम की रफ्तार बढ़ाने के लिए रात में भी निर्माण जारी रखने को कहा गया है। महापौर ने निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण के साथ चल रहे यूटिलिटी कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क तैयार होने से पहले वॉटर लाइन, सीवरेज, केबलिंग और विद्युत संबंधी सभी जरूरी काम पूरे कर लिए जाएं, ताकि सड़क बनने के बाद किसी विभाग को खुदाई की जरूरत न पड़े। महापौर ने अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को शेष काम तेजी से पूरा करने के साथ निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि सड़क जल्द तैयार हो।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 01 सितंबर 2026

आरजीपीवी तीन हिस्सों में बंटेगा, भोपाल-जबलपुर-उज्जैन में खुलेंगे विश्वविद्यालय

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● प्रदेश का राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) अब तीन हिस्सों में बांटा जाएगा। मोहन यादव सरकार मध्य भारत, महाकौशल और मालवा रीजन के लिए अलग-अलग प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बनाने जा रही है। इसका प्रस्ताव मंगलवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा। मंजूरी के बाद प्रदेश में तीन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हो जाएंगे।

तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रस्ताव के मुताबिक भोपाल का मौजूदा आरजीपीवी मध्य भारत प्रांत का विश्वविद्यालय होगा। वहीं जबलपुर में महाकौशल विश्वविद्यालय और उज्जैन में मालवा क्षेत्र का विश्वविद्यालय मुख्यालय बनाया जाएगा।

सरकार ने अपने दो साल का कार्यकाल पूरा होने पर आयोजित 45 सूत्रीय विशेष एजेंडा बैठक में प्रदेश की मेडिकल और इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी को तीन भागों में बांटने का निर्णय लिया था। पिछली कैबिनेट बैठक में जबलपुर स्थित मेडिकल यूनिवर्सिटी को विभाजित करने का फैसला हो चुका है। अब इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी के विभाजन का प्रस्ताव लाया जा रहा है।

डेयरी विकास योजना को भी मंजूरी की तैयारी

कैबिनेट बैठक में पशुपालन विभाग की डेयरी विकास योजना से जुड़ा प्रस्ताव भी रखा जाएगा। इसमें नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (ह्रष्टष्टक्च) और राज्य सरकार के स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के बीच हुए एमओयू को आगे बढ़ाने के लिए योजना को मंजूरी दी जाएगी। योजना का उद्देश्य प्रदेश में डेयरी क्षेत्र के विकास और दुग्ध उत्पादन से जुड़ी व्यवस्थाओं को मजबूत करना है।

धर्म हमारे जीवन में तभी उतरेगा, जब हम उसे अपने स्वभाव और कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे- राष्ट्रसंत सुधासागर म.सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मनुष्य भगवान, गुरु और धर्म का आश्रय मिलते ही निश्चिन्त होकर अपने पुरुषार्थ को छोड़ देता है - यही मनुष्य की सबसे बड़ी भूल है। भगवान का भरोसा जागने के लिए होता है, सोने के लिए नहीं। डर से कराया गया धर्म स्थायी नहीं हो सकता। गुरु के डर से हम सामायिक या नर्क के भय से पाप कर्म छोड़ दें तो यह पर्याप्त नहीं होगा। धर्म हमारे जीवन में तभी उतरेगा जब हम उसे अपने स्वभाव और कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे। हमें धन-दौलत और संसार के सभी ऐश्वर्य फिर से मिल जाएँगे लेकिन इस वर्ष मिला संत-सानिध्य ज्ञान और संस्कार अगले वर्ष भी मिलेगा ही, इसकी कोई गारंटी नहीं इसलिए चातुर्मास और संस्कार शिविर के प्रत्येक अवसर को दुर्लभ मानकर इनका पूरा पुण्य लाभ उठाना चाहिए। ये दिव्य और प्रेरक विचार हैं संत शिरोमणि प.पू. विद्यासागर म.सा. के परम प्रभावक शिष्य और राष्ट्रसंत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज के, जो उन्होंने सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में वीआईपी रोड स्थित किला मैदान, दलाल बाग परिसर में निर्मित विद्या-सुधा मंडप में चल रहे चातुर्मास महोत्सव की धर्मसभा में व्यक्त किए। सभा का शुभारंभ मंगलाचरण एवं पाद प्रक्षालन के साथ हुआ।

खजराना गणेश को सवा लाख मोदक का भोग लगेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●खजराना स्थित सिद्धि विनायक गणेश मंदिर पर इस बार भी खजराना गणेश को भक्त मंडल की ओर से सवा लाख मोदक का प्रसाद समर्पित किया जाएगा। गणेशोत्सव इस बार चूँकि 12 दिनों तक मनाया जाएगा इसलिए भक्त मंडल ने बारह दिनों तक प्रतिदिन खजराना गणेश को अलग-अलग किस्म के अनाज के लड्डुओं का भोग समर्पित करने की व्यवस्था की है।

श्री सिद्धि विनायक भक्त मंडल के अरविंद बागड़ी, कैलाश पंच, पार्षद पुष्पेन्द्र पाटीदार एवं नेमीचंद पाटीदार ने बताया कि मंदिर की परम्परा के अनुरूप भक्त मंडल की ओर से पहले दिन सवा लाख मोदक का भोग समर्पित करने के बाद प्रतिदिन अलग-अलग किस्म के अनाज के लड्डुओं का भोग भी समर्पित किया जाएगा। मूंग, उड़द, चावल, चंवला, चना, ज्वार, बाजरा, गेंहू, सूखे मेवे, पंचमेवा सहित प्रतिदिन संध्या को खजराना गणेश को अलग-अलग लड्डुओं का भोग भी पूरे बारह दिनों तक लगाया जाएगा। भक्तों के बीच पहले दिन मोदक प्रसाद के वितरण के लिए भक्त मंडल के 20 कार्यकर्त्ता अपनी सेवाएँ देंगे। मोदक का निर्माण करीब 6 दिनों में पूरा होगा। इसके लिए प्रसिद्द हलवाई खेमजीभाई और उनके 30 सहयोगी 10 सुपरभट्टियों पर मोदक निर्माण का काम जल्द ही प्रारम्भ करेंगे। भक्त मंडल द्वारा मन्दिर के प्रबन्धक घनश्याम शुक्ला एवं गौरीशंकर मिश्रा के सहयोग से महोत्सव की तैयारियां प्रारम्भ कर दी गई हैं। मंदिर के प्रमुख पुजारी पं. अशोक भट्ट एवं पं. उदित भट्ट ने बताया कि वैदिक मंगलाचरण के बीच बारह दिवसीय गणेशोत्सव का शुभारम्भ कलेक्टर एवं मन्दिर प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष शिवम वर्मा तथा निगमायुक्त एवं मंदिर के प्रशासक क्षितिज सिंघल द्वारा 14 सितम्बर को सुबह 10 बजे ध्वजा पूजन के साथ किया जाएगा।

भोपाल की ताल के चौपाल से

किसान आंदोलन में जाएगी कलेक्टरी, डोसे पर भारी पड़ा लिट्टी-चोखा!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

सत्ता के गलियारों में इन दिनों कुर्सियों से ज्यादा उनके खिसकने की चर्चा है। किसान आंदोलन का असर दो कलेक्टरों की कुर्सी तक पहुंचता दिख रहा है तो मंत्रालय में उत्तर बनाम दक्षिण की अफसटी जंग के खूब चटखारे लिए जा रहे हैं। एक सेक्रेटरी साहव ई-ऑफिस के जमाने में भी कंप्यूटर में दूरी बनाए हुए हैं। उधर, वर्दी में रहते पुनर्वास पर जान बांटने वाले खाकी के एक बड़े साहव रिटायर होते ही खुद नई कुर्सी की तलाश में जुट गए। अंदरखाने और भी बहुत कुछ पक रहा है। आइए पढ़ते हैं इस हफ्ते की कानाफूसी वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के साथ.. बोल हरि बोल!

किसान आंदोलन की भेंट चढ़ेंगे दो कलेक्टर !

प्रदेश की प्रशासनिक जमावट में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। सत्ता के गलियारों में चल रही चर्चा पर भरोसा करें तो आने वाले दिनों में 7 से 8 कलेक्टरों की कुर्सियां इधर से उधर हो सकती हैं। कुछ कलेक्टरों को जिलों से बुलाकर मंत्रालय में बैठाया जा सकता है तो कुछ अफसरों को एक बार फिर कलेक्टरी का मौका मिलने की चर्चा है। इस पूरी उठापटक के बीच सबसे ज्यादा बेचैनी दो जिलों में बताई जा रही है। वजह है किसान आंदोलन। खबर है कि किसान आंदोलन के दौरान इन दोनों जिलों के मैदानी प्रबंधन को लेकर ऊपर तक अच्छा फीडबैक नहीं पहुंचा। सरकार को लगता है कि समय रहते हालात को बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था। चर्चा है कि इसी कथित लापरवाही की कीमत अब दोनों कलेक्टरों को अपनी कुर्सी गंवाकर चुकानी पड़ सकती है। दरअसल सरकार इसके जरिए मैदानी अफसरों को संदेश भी देना चाहती है कि जिले की कमान मिली है तो मुश्किल वक्त में रिजल्ट भी देना होगा। सिर्फ मीटिंग, प्रेजेंटेशन और कागजी रिपोर्ट से कलेक्टरी नहीं चलेगी। अब किसे मंत्रालय बुलाया जाएगा, किसे दूसरा जिला मिलेगा और किन दो साहबों की कलेक्टरी किसान आंदोलन की भेंट चढ़ेगी, इसका पता तबादला सूची आने के बाद ही चलेगा। फिलहाल सूची निकली नहीं है, लेकिन कलेक्टर बिरादरी में हिसाब-किताब शुरु हो गया है। आखिर किसान खेत में नाराज हो तो फसल का गणित बिगड़ता है और सड़क पर नाराज हो तो कभी-कभी कलेक्टर की कुर्सी का गणित भी बिगड़ जाता है।

डोसे पर भारी पड़ा लिट्टी-चोखा

आपने कहावत सुनी ही होगी, एक बिहारी, सब पर भारी। इन दिनों मंत्रालय के गलियारों में इसी कहावत का अफसरी संस्करण खूब सुनाई दे रहा है। यहां कहानी एक नहीं, दो हैं। एक तरफ बिहारी बाबू हैं तो दूसरी तरफ बिहारी मैडम। संयोग ऐसा कि दोनों कमिश्नर हैं और दोनों की अपने-अपने सेक्रेटरी से ऐसी ठनी है कि अब मामला कमरे से निकलकर मंत्रालय के गलियारों का पसंदीदा गॉसिप बन गया है। पहले बिहारी बाबू की बात। उनके सामने तमिलनाडु वाले साहब हैं। बताते हैं कि साहब कुछ समय से बिहारी बाबू पर कमेंट करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे थे। कभी मीटिंग में तंज तो कभी कामकाज को लेकर कटाक्ष। बिहारी बाबू पहले सुनते रहे। फिर एक दिन शायद लगा कि अब हिसाब बराबर करने का वक्त आ गया है। चर्चा है कि बाबू ने ऐसा पलटवार किया कि तमिलनाडु वाले साहब को भी अंदाजा हो गया कि सामने वाला चुप जरूर था, कमजोर नहीं। अब इस भिड़ंत का असर कुर्सी तक पहुंचने की खबर है। गलियारों में कानाफूसी है कि बिहारी बाबू का विभाग बदला जा सकता है। उधर, बिहारी मैडम की कहानी भी कम मसालेदार नहीं है। उनके तेवरों से कर्नाटक वाली मैडम इतनी परेशान बताई जा रही हैं कि मामला बड़े साहब तक पहुंच गया। चर्चा है कि कर्नाटक वाली मैडम ने गुहार लगाई है कि अब उनका विभाग ही बदल दिया जाए। अब कौन जाएगा और कौन रहेगा, यह ऊपर वाले साहब तय करेंगे। इधर मंत्रालय वालों ने जरूर इस पूरी कहानी को नया नाम दे दिया है, 'डोसे पर भारी पड़ा लिट्टी-चोखा! वैसे यहां लड़ाई स्वाद की नहीं, अफसरी तेवरों की है।

ई-ऑफिस में साहब का ऑफलाइन मोड

सरकार चाहती है कि मंत्रालय पेपरलेस हो। फाइलें कंप्यूटर पर चलें। फैसले तेजी से हों। आला अफसर भी दिन-रात ई-ऑफिस का राग अलाप रहे हैं। लेकिन एक सेक्रेटरी साहब हैं, जो शायद डिजिटल क्रांति को अपनी रफ्तार से स्वीकार करना चाहते हैं। मंत्रालय में चर्चा है कि साहब 15 दिन में एकाध बार ही कंप्यूटर खोलते हैं। अब सोचिए, ई-ऑफिस में फाइल दौड़ रही है और जिस टेबल पर फैसला होना है, वहां कंप्यूटर ही आराम फरमा रहा हो तो बेचारी डिजिटल फाइल जाए भी तो जाए कहां! कर्मचारियों के बीच इसे लेकर खूब चुटकी ली जा रही है। कोई पूछता है कि साहब का पासवर्ड तो याद है न? कोई कहता है कि ई-ऑफिस की फाइल भेजने के साथ साहब को कंप्यूटर खोलने का रिमाइंडर भी भेजना चाहिए। वैसे ये वही साहब बताए जाते हैं, जो कुछ समय पहले मिशनरी को फंडिंग देने से जुड़े मामले को लेकर चर्चा में आए थे। अब सरकार ई-ऑफिस की स्पीड बढ़ाने में लगी है और साहब का कंप्यूटर कितनी स्पीड से खुलता है, ये मंत्रालय वाले बेहतर जानते हैं। फिलहाल कर्मचारी यही कह रहे हैं कि ई-ऑफिस अपनी जगह है, साहब का ऑफलाइन मोड अपनी जगह!

पुनर्वास पर ज्ञान दिया, अब खुद कुर्सी की तलाश

कहावत है, पर उपदेश कुशल बहुतेरे। दूसरों को नसीहत देना आसान है, लेकिन वहीं नसीहत जब खुद पर लागू करने का वक्त आता है तो बड़े-बड़ों के सिद्धांत डगमगा जाते है। हाल ही में रिटायर हुए खाकी के एक बड़े साहब के किस्से को लेकर इन दिनों कुछ ऐसी ही चर्चा है। जब तक साहब वर्दी में थे, रिटायरमेंट के बाद अफसरों के पुनर्वास पर उनके विचार बड़े क्रांतिकारी हुआ करते थे। साहब कहा करते थे कि पुलिस अफसर वर्दी में ही अच्छा लगता है। रिटायर होने के बाद दूसरी कुर्सी के लिए भागदौड़ करने से भद्द पिटती है। सुनने वाले सोचते थे, क्या सिद्धांत है साहब के फिर कैलेंडर बदला। रिटायरमेंट की तारीख आई और साहब की वर्दी उतर गई। बताते हैं कि इसके साथ ही पुनर्वास को लेकर दर्शन भी बदल गया। गलियारों में कानाफूसी है कि दूसरों को पुनर्वास से बचने का जान देने वाले साहब ने अपने पुनर्वास के लिए पूरे घोड़े खोल दिए। जहां संभावना दिखी, वहां संपर्क हुआ और जहां रास्ता नजर आया, वहां कोशिश की गई। अब खबर है कि साहब की मेहनत रंग लाती दिख रही है। चर्चा है कि उन्हें सलाहकार की भूमिका मिल सकती है। अगर ऐसा होता है तो साहब के पुटाने साथी शायद मुस्कुराते हुए एक सवाल जरूर पूछे। साहब, पुनर्वास से भद्द तो दूसरों की ही पिटती थी न? वैसे सत्ता के गलियारों का पुराना दस्तूर है। कुर्सी पर बैठकर दिए गए कई उपदेश, कुर्सी जाते ही अपना अर्थ बदल लेते हैं। बाकी साहब सलाहकार बनते है या नहीं, यह जल्द साफ हो जाएगा। तब तक गलियारों में कानाफूसी जारी रखिए, क्योंकि यहां जो दिखाई देता है. कहानी अक्सर उससे कहीं ज्यादा दिलचस्प होती है।

नवरात्रि से पहले टेकरी पहुंचे कलेक्टर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● नवरात्रि के दौरान माताजी टेकरी पर आने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर ऋतु राज सिंह ने सोमवार रात टेकरी का निरीक्षण किया। उन्होंने रात में श्रद्धालुओं की आवाजाही, रोशनी, सुरक्षा और निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद अधिकारियों के साथ बैठक कर नवरात्रि से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने भीड़ नियंत्रण और आपात स्थिति में तुरंत संपर्क के लिए लंबी रेंज के वॉकी-टॉकी खरीदने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टेकरी पर अलग-अलग स्थानों पर तैनात अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तुरंत सूचना पहुंचना जरूरी है। लंबी रेंज के वॉकी-टॉकी से आपात स्थिति में सूचना संबंधित टीम तक तेजी से पहुंचाई जा सकेगी। नवरात्रि के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। रात के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने टेकरी के विभिन्न मार्गों और परिसर में प्रकाश व्यवस्था देखी। उन्होंने पूरे मार्ग पर स्थायी लाइटिंग लगाने के निर्देश दिए, ताकि रात में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। परिक्रमा पथ से अनावश्यक पोल और बिजली के तार हटाने के साथ जैन मंदिर में भी स्थायी लाइट के पोल लगाने के निर्देश दिए गए। टेकरी पर आकर्षक लाइटिंग करने के लिए भी कहा गया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ढलान वाले रास्तों पर तत्काल नॉन-स्लिप स्ट्रिप्स लगाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान देने को कहा। टीन शेड, परिक्रमा पथ और रपट मार्ग सहित सभी सिविल कार्य नवरात्रि शुरू होने से एक माह पहले पूरे करने की समय-सीमा तय की गई है।

हंसदास मठ पर इस बार कृष्ण जन्माष्टमी पर बनेगी मनोहारी झांकियां, रंगारंग मेला शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एरोड्रम रोड, पीलिया खाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर जन्माष्टमी का महापर्व शुक्रवार, 4 सितम्बर को हंस पीठाधीश्वर महंत रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के सानिध्य में धूमधाम से मनाया जाएगा। मठ स्थित भगवान रणछोड़जी का नारायण स्वरूप में श्रृंगार तो होगा ही, आकर्षक झांकियां भी भक्तों को देखने को मिलेगी। मठ पर जन्माष्टमी महोत्सव के उपलक्ष्य में रंगारंग मेला भी लगा हुआ है जिसमें बच्चों के लिए बड़े एवं छोटे झूलों सहित अनेक आकर्षण मौजूद हैं। जन्माष्टमी महोत्सव के लिए मठ पर इस बार दो दिवसीय महोत्सव मनाया जाएगा जिसमें भगवान कृष्ण के मथुरा कारागृह में जन्म और जन्म के पूर्व वासुदेव एवं देवकी को भगवान द्वारा चारभुजा के रूप में दर्शन देने के साथ ही यमुना पार करते हुए झांकी भी आकर्षक विद्युत एवं पुष्प सज्जा से श्रृंगारित रहेगी।

विद्याधाम पर जन्माष्टमी पर कदम के फूलों से होगा लड्डू गोपाल का श्रृंगार, 51 विद्वान करेंगे अभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●। विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव शुक्रवार 4 सितम्बर को धूमधाम से मनाया जाएगा। आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में सुबह एवं दोपहर को हरियाली, कदम के फूल एवं फूलों से लड्डू गोपाल की आकर्षक झांकी सजाई जाएगी। आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में मंदिर पर 21 विद्वानों द्वारा 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' द्वादश महामंत्र से आराधना, पुरुषोपचार पूजन, महाभोग एवं महाआरती के आयोजन होंगे। माखन मिश्री एवं धनिया-पंजेरी के प्रसाद का वितरण भी होगा। इसके पूर्व आचार्य पं. लोकेश शर्मा एवं उनके साथी भगवान की विभिन्न लीलाओं से जुडी आकर्षक और मनोहारी झांकियां सजाएंगे। संध्या को 51 विद्वानों द्वारा आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में भगवान कृष्ण का तुलसी दल, सफेद तिल्ली एवं पुष्पों से सहस्त्रार्चन किया जाएगा।

29 सितंबर को टीकमगढ़, कुक्षी नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मध्य प्रदेश में पंचायत और नगरीय निकाय उपचुनावों की तारीखों का एलान हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक, सभी खाली सीटों पर 29 सितंबर को वोट डाले जाएंगे। चुनाव के लिए 8 सितंबर से नामांकन शुरू होंगे, जो 15 सितंबर तक चलेंगे। 18 सितंबर को उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। इसमें सरपंच के 110 पदों, 7 जिला पंचायत सदस्यों सहित पंचायतों में कुल 4,235 पदों पर चुनाव होगा। 3 नगरीय निकाय अध्यक्षों सहित 26 पार्षदों के लिए 29 सितंबर को मतदान कराया जाएगा।

3 अक्टूबर को ईवीएम से मतगणना

नगरीय निकायों में सुबह 7 से शाम 5 बजे तक और पंचायतों में सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक वोटिंग होगी। पंच पद की मतगणना पोलिंग बूथ पर ही तुरंत होगी, जबकि सरपंच, जनपद और जिला पंचायत सदस्यों की मतगणना 3 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से ब्लॉक मुख्यालय पर ईवीएम से की जाएगी। धार की कुक्षी, आगर-मालवा की सुसनेर और टीकमगढ़ नगर पालिका में अध्यक्ष पद का चुनाव इस बार सबसे दिलचस्प होने वाला है। ईवीएम से की जाने वाली मतगणना 3 अक्टूबर को सुबह 8:00 बजे से विकासखंड (ब्लॉक) मुख्यालयों पर शुरू होगी। इसी दिन सरपंच और जनपद पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणामों की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। इसके बाद, जिला पंचायत सदस्यों और पंच पद के निर्वाचन के अंतिम और आधिकारिक परिणामों का एलान 5 अक्टूबर 2026 को सुबह 10:30 बजे से किया जाएगा।

धारेश्वर महादेव चल समारोह, 7 सितंबर को नहीं बिकेगी शराब, धार-जेतपुरा में लागू होगा नियम

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● श्री धारेश्वर महादेव के छबिना चल समारोह के मद्देनजर 7 सितंबर को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इस दिन धार नगर पालिका क्षेत्र और इससे सटे ग्राम जेतपुरा में शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24(1) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया है। इसके तहत दोनों क्षेत्रों की सभी कंपोजिट मदिरा दुकानें और धार रिटेल वाइन आउटलेट बंद रहेंगे।

शुष्क दिवस की अवधि में, धार नगर पालिका क्षेत्र और जेतपुरा की सीमा में आने वाली सभी संबंधित शराब दुकानों एवं धार रिटेल वाइन आउटलेट से मदिरा का क्रय-विक्रय पूर्णतः वर्जित रहेगा। इसका अर्थ है कि इस दिन शराब की बिक्री या खरीदी नहीं की जा सकेगी।

प्रशासन ने आबकारी उपनिरीक्षक एवं प्रभारी वृत्त धार को संबंधित सभी कंपोजिट मदिरा दुकानों और अन्य आबकारी केंद्रों व लाइसेंस को नियमानुसार बंद करवाने की जिम्मेदारी सौंपी है।

साथ ही, शुष्क दिवस के दौरान अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को शुष्क दिवस के आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

सम्पादकीय

मोबाइल का शोर

विज्ञान वरदान भी है और अभिशाप भी। बचपन में इसी विषय पर निबन्ध हम सब लिखते थे। तकनीक ने हमारा समय बचा दिया है। हम उस समय का सदुपयोग कर रहे हैं या दुरुपयोग, यह हमारे हाथ में है। आजकल यूथ का एवरेज 8.30 घंटे का समय स्क्रीनिंग में जा रहा है। इंटरनेट का इस्तेमाल न करने वाले हमारे पूर्वजों ने क्या कभी सोचा होगा कि भविष्य में जीवन इतना आसान होने वाला है? बटन दबाओ, ठंडी हवा खाओ। इधर ऑनलाइन ऑर्डर, उधर तुरन्त खाना हाज़िर, क़तार में लगने से छुटकारा। न जाने कितने काम, विज्ञान की बदौलत चुटकियों में निपटने लगे हैं। कहते हैं, विज्ञान एक अच्छा सर्वेंट है, एक बहुत बुरा मास्टर भी है। इसका सीमित उपयोग हमारा समय भी बचाएगा और शरीर भी। मोबाइल आया और हमारी गेंद चुराकर ले गया। मेलजोल, रचनाधर्मिता, कलाकारी, नये प्रयोग, न जाने क्या-क्या इस मोबाइल की बलि चढ़ गए। फ़िज़ूल की स्टोरी, रील देखकर हम क्या हासिल कर रहे हैं? हम समझ नहीं पाते, हम सोशल मीडिया के लिए एक प्रोडक्ट बन जाते हैं। वो हमारा समय और पैसा, दोनों ख़त्म करता जाता है। हम कितने ही लोगों को दिन भर फ़ोन में मशगूल देखते हैं। उन्हें पता ही नहीं चलता और पूरा दिन हाथ से फिसल जाता है। जागिए। तकनीक का उपयोग तब तक ही कीजिए, जब तक ये हमारे समय को बचाए। जैसे ही यह हमारा टाइम किल करने पर आतुर हो जाए, इससे हाथ जोड़ लेने में ही भलाई है। नई पीढ़ी का दोष इसमें जितना है, उतना ही हमारा यानी पुरानी पीढ़ी का भी है। हमने बच्चों को लाइक करना बन्द कर दिया है। उनकी गतिविधियों में रुचि लेना, उनसे बतियाना और उनकी उपलब्धियों को लाइक करने का समय हमारे पास नहीं है। नतीजतन वे फ़ेसबुक पर लाइक्स ढूँढ रहे हैं। हमें चाहिए कि बच्चों एवं परिवार को अपना समय दें, वरना वे अपना समय सोशल मीडिया को दे देंगे।कुछ समय बैठा करो बुजुर्गों के पास भी, हर चीज़ गूगल पर नहीं मिलती।

सतीश शर्मा

त्योहारों की दहलीज पर महंगाई का तांडव

भारत में त्योहारों का आगमन अब आम इंसान के लिए उल्लास का संदेश कम, और मानसिक प्रताड़ना का सबब ज्यादा लेकर आता है। देश की बहुसंख्यक आबादी, जो हर सुबह अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए हाड़-तोड़ संघर्ष करती है, उसके लिए त्योहारी सीजन एक ऐसी आर्थिक भूलभुलैया बन गया है जहां से बिना कर्जदार बने निकलना नामुमकिन है। यह कैसी विडंबना है कि जैसे ही देश गणेशोत्सव, दुर्गा पूजा और दीपावली की तरफ बढ़ता है, वैसे ही जमाखोरों, बिचौलियों और बाजार के सटोरियों का सिंडिकेट सक्रिय हो जाता है। वे जनता की थाली को बंधक बना लेते हैं और देश का प्रशासनिक तंत्र गहरी, कुंभकर्णी नींद में सोया रहता है। जब आम आदमी की जेब पूरी तरह कट जाती है, तब जाकर सरकारी महकमों की कागजी फाइलें हिलती हैं। यह स्थिति केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के उस मूल चरित्र पर एक गहरा धब्बा है जो खुद को 'लोककल्याणकारी' कहने का दम भरती है।

आज देश में महंगाई के जो जमीनी हालात हैं, वे सरकारी बयानों और सांख्यिकी मंत्रालयों द्वारा जारी की जाने वाली रिपोर्टों को सरेआम खारिज करते हैं। सरकार की आर्थिक नीतियों की पोल खोलने के लिए देश की खुदरा महंगाई दर के हालिया आंकड़े ही काफी हैं। जुलाई 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.45 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई, जबकि खाद्य महंगाई दर ने 5.52 फीसदी की डराने वाली छलांग लगाई है। यह सरकारी आंकड़ों का वो हिस्सा है जो एयर-कंडीशनर कमरों में बैठकर तैयार किया जाता है, लेकिन जब आप वास्तविक बाजार में कदम रखते हैं, तो यह महंगाई दर दोगुनी और तिगुनी महसूस होती है। सब्जियों के मोर्चे पर तो जैसे आग लगी हुई है। टमाटर जैसी बुनियादी सब्जी की कीमतें जहां 48 फीसदी से ज्यादा की दर से भाग रही हैं, वहीं बेमौसम बारिश और भीषण गर्मी के बहाने प्याज की खुदरा कीमतें 65 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर चुकी हैं। एक आम परिवार जो महीने की शुरुआत में राशन का बजट बनाता है, वह महीने के मध्य तक आते-आते अपनी ही रसोई में कटौती करने को मजबूर हो जाता है। यह कैसी तरक्की है जहां देश का नागरिक त्योहारों पर अपने बच्चों का मुंह मीठा कराने के लिए भी अपनी बुनियादी प्राथमिकताओं का गला घोंटने पर मजबूर है?

इस पूरे संकट में सरकार का जो रवैया रहा है, वह बेहद संवेदनहीन और निराशाजनक है। केंद्रीय मंत्रियों और प्रशासनिक सचिवों के बयान आते हैं कि 'बाजार में वस्तुओं की कोई कमी नहीं है, पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है'। लेकिन जनता यह पूछने का हक रखती है कि यदि बफर स्टॉक मौजूद है, तो वह आम उपभोक्ता की पहुंच से दूर क्यों है? वह कौन सा अदृश्य हाथ है जो सरकारी गोदामों से राशन को गायब करके बिचौलियों की तिजोरियों में पहुंचा देता है? अभी हाल ही में सरकारी स्तर पर माना गया कि प्याज की कीमतों में यह बेतहाशा बढ़ोतरी कालाबाजारी, जमाखोरी और मुनाफाखोरी के कारण हो रही है। यह स्वीकारोक्ति अपने आप में एक बड़ा तमाचा है उस प्रशासनिक तंत्र पर, जिसके पास जमाखोरों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने के लिए असीमित कानूनी अधिकार और पुलिस बल मौजूद हैं। जब सरकार खुद मान रही है कि बिचौलिए और मुनाफाखोर खुलेआम लूट मचा रहे हैं, तो फिर उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून या सख्त आपराधिक धाराओं के तहत कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्यों हर बार त्योहारों से ठीक पहले इन जमाखोरों को खुली छूट दे दी जाती है कि वे जनता की बेबसी का फायदा उठाकर अरबों रुपये का वारा-न्यारा कर लें?

बाजारवाद और कॉर्पोरेट परस्त नीतियों ने देश के पूरे आर्थिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है। आज का बाजार 'फ्री मार्केट' के नाम पर एक ऐसी अनियंत्रित लाठ बन चुका है, जिससे केवल गरीब और मध्यम वर्ग को हांका जा रहा है। त्योहारों के इस सीजन में बड़े-बड़े शॉपिंग मॉल और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर 'महासेल' और 'त्योहारी छूट' के लुभावने विज्ञापनों की बाढ़ आई हुई है। लेकिन यह चमक-दमक केवल एक छलावा है, जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े व्यापारियों की जेबें भरने के लिए रची गई है। जमीनी हकीकत यह है कि वाणिज्यिक रसोई गैस के दाम आसमान छू रहे हैं, परिवहन और माल ढुलाई की लागतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस महंगे परिवहन तंत्र का सीधा बोझ अंततः उस अंतिम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिसकी क्रय शक्ति पहले से ही घटी हुई है। जब देश की एक बड़ी आबादी की वास्तविक मजदूरी में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हो रहा हो, और उसके विपरीत रोजमर्रा के खर्चों में 15 से 20 फीसदी की मासिक बढ़ोतरी हो रही हो, तो समाज में आर्थिक असंतोष का पनपना लाजिमी है।

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना इसके दोहरे मापदंडों में छिपी है। भारत एक कृषि प्रधान देश होने का गौरव गान गाते नहीं थकता। हमारे नीति-निर्माता हर मंच से किसानों की आय दोगुनी करने और उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर भोजन उपलब्ध कराने के लंबे-चौड़े दावे करते हैं। लेकिन हकीकत में, इस देश का किसान और उपभोक्ता दोनों एक ही सिक्के के दो पीड़ित पहलू हैं। जब खेतों में प्याज या टमाटर की बंपर पैदावार होती है, तो बाजार के बड़े सटोरिये और आढ़ती कौड़ियों के दाम पर किसानों की फसल खरीद लेते हैं। उस समय किसान को अपनी लागत तक नहीं मिलती और वह अपनी उपज को सड़कों पर फेंकने या आत्महत्या करने को मजबूर हो जाता है। लेकिन जैसे ही वह फसल किसान के हाथों से निकलकर इन बड़े आढ़तियों के कोल्ड स्टोरेज और गोदामों में बंद हो जाती है, वैसे ही बाजार में 'कृत्रिम किल्लत' पैदा कर दी जाती है। कुछ ही हफ्तों के भीतर, वही प्याज जो किसान से 10 रुपये किलो खरीदा गया था, उपभोक्ता को 65 रुपये किलो बेचा जाने लगता है। बीच का यह 55 रुपये का मुनाफा न तो देश के सकल घरेलू उत्पाद में कोई सकारात्मक योगदान देता है और न ही किसान के घर में खुशहाली लाता है। यह पूरा पैसा उस सफेदपोश माफिया की जेब में जाता है जो राजनीतिक व्यवस्था को चंदे के दम पर नियंत्रित करता है।

यह सवाल भी बेहद मौजूं है कि आखिर देश का मध्यम वर्ग इस क्रूरता को कब तक खामोशी से सहता रहेगा? आज का मध्यम वर्ग टैक्स चुकाने के मामले में सबसे आगे खड़ा है। वह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष टैक्स के रूप में अपनी गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा सरकार को सौंपता है, लेकिन जब उसे सुरक्षा, राहत या आर्थिक संरक्षण की जरूरत होती है, तो उसे पूरी तरह लावारिस छोड़ दिया जाता है। त्योहारों की खुशियों को संजोने के लिए आज का आम इंसान बैंकों से 'पर्सनल लोन' ले रहा है या अपनी क्रेडिट कार्ड की सीमाओं को लांघ रहा है। उपभोक्ता संस्कृति के इस दौर में कर्ज लेकर त्योहार मनाना एक मजबूरी बन गया है, जो आने वाले महीनों में उस परिवार को और गहरे आर्थिक गर्त में धकेल देता है। सरकारें हर साल बड़ी बेशर्मी से त्योहारों के बाद यह दावा पेश कर देती हैं कि इस बार रिकॉर्ड तोड़ व्यापार हुआ, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। लेकिन वे यह कभी नहीं बतातीं कि इस रिकॉर्ड तोड़ व्यापार के पीछे जनता का कितना खून-पसीना बहा है और कितना हिस्सा कर्ज की बुनियाद पर खड़ा था।

अब समय आ गया है कि जनता की इस लाचारी को केवल भाग्य का फेर मानकर छोड़ना बंद किया जाए। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह पूरी तरह से एक 'मानव-निर्मित और नीति-जनित' संकट है। यदि सरकार वाकई इस देश के नागरिकों के प्रति जवाबदेह है, तो उसे अपनी आर्थिक नीतियों की दिशा बदलनी होगी। केवल कागजी समीक्षा बैठकों और बफर स्टॉक जारी करने के बयानों से बाजार की आग नहीं बुझने वाली। जमाखोरी और सट्टेबाजी के खिलाफ राज्यों और केंद्र सरकार को मिलकर एक राष्ट्रव्यापी, कठोर अभियान चलाना होगा। आवश्यक वस्तु अधिनियम को और अधिक कड़ा बनाकर फास्ट-ट्रैक अदालतों के जरिए मुनाफाखोरों को त्वरित सजा देनी होगी। जब तक दो-चार बड़े मगरमच्छों पर कानून का शिकंजा नहीं कसेगा, तब तक बाजार के ये सटोरिये आम जनता की थाली से निवाला छीनते रहेंगे। त्योहारों का उल्लास किसी भी देश की सांस्कृतिक और सामाजिक जीवंतता का प्रतीक होता है। यदि इसे महंगाई के राक्षस की भेंट चढ़ने दिया गया, तो समाज के भीतर की खुशहाली और शांति पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। व्यवस्था को अब जागना ही होगा, क्योंकि लाचारी की भी एक सीमा होती है और जब वह सीमा टूटती है, तो जन-आक्रोश का जो सैलाब आता है, वह बड़ी से बड़ी सत्ताओं को तिनके की तरह बहा ले जाता है।

अशोक भाटिया
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

विजय श्री स्पोर्ट्स क्लब की वार्षिक बैठक संपन्न

- दिवंगत सदस्यों की स्मृति में आयोजक सन्नी राठौर ने नेत्रदान का लिया संकल्प
- गणेश उत्सव पर सभी कार्यक्रम बिना जन-सहयोग (चंदे) के होंगे सभी आयोजन-सन्नी राठौर

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

विजय श्री स्पोर्ट्स क्लब परिवार की वार्षिक बैठक संपन्न हुई, जिसमें आगामी आयोजनों की रूपरेखा तय की गई और कई महत्वपूर्ण व जनहितैषी निर्णय लिए गए। बैठक में क्लब के दिवंगत सदस्यों-स्व. महावीर जैन, स्व. आकाश वर्मा एवं स्व. डॉ. कमल चौहान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनकी स्मृति में क्लब परिवार ने एक अनोखी और प्रेरणादायी पहल करते हुए नेत्रदान का संकल्प लिया, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से सराहा।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय व कार्यक्रम रूपरेखा

बिना जन-सहयोग (चंदे) के आयोजन: क्लब परिवार ने निर्णय लिया है कि धार नगर में होने वाले आगामी किसी भी कार्यक्रम के लिए नगरवासियों से कोई चंदा या आर्थिक सहयोग नहीं लिया जाएगा। समस्त कार्यक्रमों का खर्च स्वयं विजय श्री स्पोर्ट्स क्लब परिवार के सदस्य मिलकर वहन करेंगे।

गणेशोत्सव व प्रतिमा अनावरण: आगामी गणेश उत्सव के दौरान भगवान श्री गणेश की अत्यंत आकर्षक प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

अतिथि एवं महाआरती: प्रतिमा का अनावरण पूर्व केंद्रीय मंत्री माननीय श्री विक्रम जी वर्मा एवं धार विधायक श्रीमती नीना वर्मा के कर-कमलों द्वारा संपन्न होगा। इसके पश्चात अतिथियों की उपस्थिति में भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में क्लब के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने आगामी आयोजनों को भव्य व अनुशासित तरीके से संपन्न कराने का संकल्प लिया।

लंबित मांगों को लेकर कृषि विस्तार अधिकारियों ने खोला मोर्चा, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष को दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● कृषि विस्तार अधिकारी संघ ने सोमवार को अपनी लंबित मांगों और विभागीय समस्याओं के समाधान को लेकर जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा। संघ के सदस्यों ने विधायक नीना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेडा और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगें रखीं। ज्ञापन में ई-अटेंडेंस व्यवस्था का विरोध, 2800 रुपए ग्रेड पे और विभिन्न कार्यों के लिए 5000 रुपए प्रतिमाह भत्ते की मांग शामिल है। संघ ने जनप्रतिनिधियों से मांगों को शासन स्तर पर प्रभावी ढंग से रखने और जल्द समाधान कराने की अपील की। कृषि विस्तार अधिकारी संघ के माध्यम से लागू ई-अटेंडेंस व्यवस्था का विरोध किया है। संघ का कहना है कि कृषि विस्तार अधिकारियों का अधिकांश काम ग्रामीण क्षेत्रों और खेतों में होता है, जहां उन्हें किसानों के बीच रहकर विभागीय कार्य करने पड़ते हैं। ऐसे में ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर अधिकारियों ने अपनी आपत्ति जताई है। ज्ञापन में कृषि विस्तार अधिकारियों के लिए 2800 रुपए ग्रेड पे लागू करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारियां लगातार बढ़ रही हैं, इसलिए वेतनमान से

जुड़ी उनकी मांग पर भी शासन को सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। संघ ने एग्रीस्टैक कार्य के लिए 5000 रुपए प्रतिमाह भत्ता देने की मांग की है। इसके साथ ही अतिरिक्त केंद्र का प्रभार मिलने पर भी 5000 रुपए प्रतिमाह भत्ता देने की मांग ज्ञापन में शामिल की गई है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कृषि विस्तार अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों से सीधे जुड़े रहते हैं। वे शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद अधिकारियों पर लगातार अतिरिक्त कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ाई जा रही हैं। ऐसे में उनकी उचित मांगों का निराकरण किया जाना जरूरी है।

पुराने गणपति घाट पर प्याज से भरे ट्रक में लगी आग, एफआरवी टीम ने तत्परता से पाया काबू

समय रहते आग पर काबू पाने से टला बड़ा हादसा, चालक एवं हेल्पर सुरक्षित

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● धामनोद थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग के राऊ-खलघाट पुराने गणपति घाट पर प्याज से भरे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रक के डीजल पाइप में आग लगने के बाद आग तेजी से फैलने लगी। घटना की सूचना प्राप्त होते ही डायल-112 की एफआरवी-20 एवं एफआरवी-21 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम द्वारा बिना देरी किए फायर स्प्रे की सहायता से ट्रक की वायरिंग एवं डीजल पाइप में लगी आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया।

पुलिस कार्यवाही

एफआरवी टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए धामनोद एवं मांडव फायर ब्रिगेड को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया। एफआरवी टीम की तत्परता से फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पूर्व ही आग को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। समय रहते आग पर नियंत्रण होने से बड़ा हादसा टल गया।

हादसे में ट्रक चालक एवं हेल्पर सुरक्षित हैं तथा किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

घटना स्थल

पुराना गणपति घाट, राऊ-खलघाट, थाना धामनोद, जिला धार, मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग

सराहनीय कार्य

इस त्वरित एवं सराहनीय कार्य में एफआरवी-20 एवं एफआरवी-21 के पायलट लखन वर्मा, पायलट दीपक निगवाल, पुलिस स्टाफ 284 वीरेंद्र निमाड़ी एवं आरक्षक 1193 इन्द्रपाल लोधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डायल-112 एफआरवी टीम की तत्परता से आग को समय रहते नियंत्रित कर बड़ा हादसा टालने में सफलता मिली।

अजय सिंह धार दौरे पर, बोले- कांग्रेस को मजबूत करेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह 'राहुल भैया' सोमवार को संगठन सृजन अभियान के तहत धार जिले के दौरे पर पहुंचे। धामनोद में उन्होंने मीडिया से बातचीत में कांग्रेस को संगठित करने और बूथ स्तर तक मजबूत करने का उद्देश्य बताया। सिंह ने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य कांग्रेस को संगठित करना है। उन्होंने घर बैठे कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और 2028 के विधानसभा चुनाव की मजबूती से तैयारी करने पर जोर दिया। भाजपा की ओरछा में हुई दो दिवसीय बैठक के सवाल पर अजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने अपना काम किया है और अब कांग्रेस अपना काम करेगी। उन्होंने टिप्पणी की कि जनता सब देख रही है। राहुल गांधी के 12 सितंबर को इंदौर दौरे और नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम की अनुमति न मिलने के मुद्दे पर अजय सिंह ने अपनी आशंका व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि भारतीय जनता पार्टी नेहरू स्टेडियम की मंजूरी देगी, लेकिन राहुल गांधी जी का कार्यक्रम होगा। चाहे किसी भी मैदान में हो, कार्यक्रम जरूर होगा।' उल्लेखनीय है कि कांग्रेस इन दिनों पूरे प्रदेश में संगठन सृजन अभियान चला रही है। इस अभियान का लक्ष्य बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है।

राहुल गांधी पर एफआईआर का विरोध, कांग्रेस का पैदल मार्च

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद मंच के कथित 'शुद्धिकरण' और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में कांग्रेस ने सोमवार शाम खंडवा में पैदल मार्च निकाला। कांग्रेस ने भाजपा पर दलित विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि, खड़गे की सभा के बाद मंच का शुद्धिकरण किया जाना केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि दलित समाज, संविधान और सामाजिक समानता की भावना का अपमान है। वहीं, इस मुद्दे पर आवाज उठाने वाले राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास है।

भाजपा की कथित दलित विरोधी मानसिकता और राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में कांग्रेस परिवार ने सोमवार शाम विरोध प्रदर्शन किया। मार्च की शुरुआत नगर निगम तिराहे स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा से हुई।

कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर तथा नारे लगाते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जिला अस्पताल के सामने स्थित अंबेडकर चौक पहुंचे। मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भेदभाव, छुआछूत और दलित विरोधी मानसिकता के खिलाफ आवाज बुलंद की।

अंबेडकर चौक पहुंचने के बाद मार्च का समापन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष हुआ। यहां कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को नमन किया तथा सामाजिक समानता, सम्मान और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष (ग्रामीण) उत्तमपाल सिंह ने कहा कि खड़गे जी के मंच का शुद्धिकरण दलितों का अपमान है और राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर लोकतंत्र की आवाज दबाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों और संविधान में विश्वास रखने वाले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद मंच का शुद्धिकरण किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनके मुताबिक यह केवल किसी एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि दलित समाज, संविधान और सामाजिक समानता की भावना का अपमान है।

नोवाक जोकोविच यूएस ओपन के पहले राउंड से ही बाहर

न्यूयॉर्क (एजेंसी) • सर्बिया के नोवाक जोकोविच यूएस ओपन के पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गए। उन्हें अर्जेंटीना के वर्ल्ड नंबर 49 मारियानो नवोने ने पांच सेट के मुकाबले में 7-6, 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया। इसके साथ ही जोकोविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। हार के बाद जोकोविच भावुक हो गए और अपने आंसू नहीं रोक सके। यह मुकाबला चार घंटे 36 मिनट तक चला, जो ग्रैंड स्लैम में जोकोविच के करियर का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड मैच रहा। 39 साल के जोकोविच ने शुरुआती तीन सेट में से दो जीते, लेकिन 25 साल के नवोने ने आखिरी दो सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

जोकोविच के लिए यह यूएस ओपन के इतिहास में पहली बार है, जब वह टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में बाहर हुए हैं। इससे पहले वह कभी भी पहले राउंड में नहीं हारे थे। जोकोविच 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार है, जब वह किसी ग्रैंड स्लैम के पहले राउंड में बाहर हुए हैं। जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दो सेट जीतकर बढ़त बना ली थी। हालांकि, मुकाबले के अंतिम चरण में उनकी तबीयत बिगडऩे लगी। मैच के दौरान उन्हें उल्टी करते देखा गया। उन्होंने इनहेलर का इस्तेमाल किया और दवा भी ली।

वीनस हमवतन सोफिया केनिन से हारीं

न्यूयॉर्क। चार बार की ओलंपिक चैंपियन वीनस विलियम्स, सोफिया केनिन से सीधे सेटों (2-6, 6-7(6)) में हारकर यूएस ओपन के महिला एकल टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। अमरीका की इन दो टेनिस खिलाडियों का मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में हुआ। 27 साल की केनिन को पहला सेट जीतने में मात्र 32 मिनट लगे। विलियम्स ने दूसरे सेट में 4-2 से पिछडऩे के बाद वापसी करते हुए टाई-ब्रेक तक मुकाबला पहुंचाया, लेकिन आखिर में यह काफी नहीं रहा। उन्होंने कई सेट प्वाइंट गंवाए और मैच हार गईं। विलियम्स की यह लगातार 14वीं एकल हार थी।

मेदवेदेव दूसरे राउंड में

न्यूयॉर्क। डेनियल मेदवेदेव ने यूएस ओपन के पहले दौर में ह्यूगो गैस्टन को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। यह मुकाबला दो घंटे 14 मिनट चला। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने करियर में आठवीं बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। दूसरे दौर में मेदवेदेव का सामना अमेरिकी वाइल्ड कार्ड सेबेस्टियन गोर्जनी और राफेल कोलिग्नन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

18 सितंबर को रिलीज होगी 'ओम का हरि'

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'ओम का हरि' 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हरीश व्यास निर्देशित इस फिल्म में सोनी राजदान, समता सुदीक्षा और आयशा कपूर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म पिता और बेटे के रिश्ते, पीढ़ियों के बीच के अंतर और अनकहे प्यार की कहानी को पेश करती है। फर्स्ट रे फिल्म्स की पांचवीं प्रोडक्शन फिल्म ओम का हरि की कहानी भोपाल में रहने वाले जिद्दी पिता हरि प्रसाद शर्मा और अपने फैसले खुद लेने वाले उनके बेटे ओम प्रसाद शर्मा के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों के बीच शुरू हुआ टकराव भोपाल से वाराणसी तक पहुंचता है। फिल्म में एक ओर बेटा अपनी आजादी चाहता है, वहीं दूसरी ओर पिता को लगता है कि वह अपने बेटे के लिए सबसे बेहतर जानते हैं। यही सोच दोनों के बीच टकराव पैदा करती है। फिल्म इसी पारिवारिक संघर्ष के बीच यह सवाल उठाती है कि क्या हम अपने पिता से खुलकर कह पाते हैं कि हम उनसे प्यार करते हैं और क्या पिता भी अपने बेटे से अपने प्यार का इजहार कर पाते हैं। निर्देशक हरीश व्यास ने कहा कि उनकी तीनों फिल्मों की कहानियां प्यार के अलग-अलग रूपों और उन भावनाओं पर आधारित रही हैं, जिन्हें लोग अक्सर कह नहीं पाते। अंग्रेजी में कहते हैं में शादी के कई वर्षों बाद भी पति-पत्नी के बीच प्यार का इजहार करने की जरूरत को दिखाया गया था, जबकि हम भी अकेले, तुम भी अकेले दोस्ती में प्यार को समझने की कहानी थी।

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना लक्ष्य-पुष्पा राणा

नई दिल्ली (एजेंसी) • पुष्पा राणा ने कहा कि यह उनके जीवन का एक बेहद गर्व और भावुक क्षण है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम की कप्तानी करना हर खिलाड़ी का सपना होता है और अब उन्हें देश की टीम का नेतृत्व करने का अवसर मिला है। यह जिम्मेदारी जितनी सम्मान की बात है, उतनी ही बड़ी चुनौती भी है। पुष्पा राणा ने कहा कि उनका लक्ष्य आगामी एशियन गेम्स में भारतीय टीम को शानदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक दिलाना है। पुष्पा ने कहा कि टीम का मुख्य लक्ष्य एशियन गेम्स में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है और इसके लिए सभी खिलाड़ी पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। पुष्पा राणा ने बताया कि भारतीय महिला कबड्डी टीम पिछले करीब पांच-छह महीने से लगातार कड़ी मेहनत कर रही है। टीम के खिलाड़ी कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में अपनी तैयारियों को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। प्रशिक्षण के दौरान खिलाडियों की फिटनेस, स्किल और तकनीक पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पुष्पा राणा ने बताया कि भारतीय महिला कबड्डी टीम का कप्तान बनाए जाने की खबर मिलते ही उनके परिवार और गृह क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता का सपना था कि एक दिन वह भारतीय टीम की कप्तानी करें और आज उनका यह सपना साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि परिवार के सहयोग और प्रोत्साहन के बिना इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था।

कृति खरबंदा ने 'चिक्कू' से बनाई अलग पहचान

मुंबई (एजेंसी) •देओल परिवार की चर्चित फ्रेंचाइजी यमला पगला दीवाना की तीसरी फिल्म यमला पगला दीवाना फिर से के रिलीज को आठ साल पूरे हो गये हैं। धर्मेंद्र, सनी देओल और बॉबी देओल की मौजूदगी वाली इस फिल्म में कृति खरबंदा ने चिक्कू का किरदार निभाकर दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। फिल्म में कृति का किरदार कॉमेडी, रोमांस और पारिवारिक मनोरंजन से भरी कहानी का अहम हिस्सा था। स्थापित फ्रेंचाइजी और देओल परिवार की मजबूत स्क्रीन मौजूदगी के बीच कृति ने सहज अभिनय और प्रभावी स्क्रीन प्रेजेंस से चिक्कू को अलग रंग दिया। बॉबी देओल के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी दर्शकों ने पसंद किया। दोनों के बीच की हल्की-फुल्की नोकझोंक और रोमांटिक अंदाज ने फिल्म के मनोरंजक पक्ष को मजबूत किया। कृति ने हास्य दृश्यों के साथ-साथ भावनात्मक और रोमांटिक दृश्यों में भी अपनी सहजता बरकरार रखी। फिल्म के गीतों और मनोरंजक दृश्यों में भी कृति की जीवंत मौजूदगी देखने को मिली। उनकी ऊर्जावान प्रस्तुति और आकर्षक स्क्रीन प्रेजेंस ने फिल्म के माहौल के साथ अच्छा तालमेल बनाया। आठ वर्ष बाद यमला पगला दीवाना फिर से कृति खरबंदा के करियर के महत्वपूर्ण पड़ावों में शामिल है। इस फिल्म के जरिए उन्होंने बड़े कमर्शियल एंटरटेनर में काम करने के साथ कॉमेडी और रोमांस जैसे अलग-अलग रंगों को निभाया। कृति ने चिक्कू के किरदार के जरिये देओल परिवार की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी में अपनी अलग छाप छोड़ी, जो आज भी फिल्म से जुड़ी यादगार बातों में शामिल है।

उज्जैन संभाग

2600 करोड़ रुपए का बन रहा उज्जैन-गरोठ हाईवे धंसा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • 2600 करोड़ रुपए से बन रहे उज्जैन-गरोठ हाईवे की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवालिया निशान लग गया। 7 माह के अंतराल में देवास रोड से रेलवे पटरी के बीच वाला हाईवे का हिस्सा फिर धंस गया। इसको लेकर एनएचएआई अफसरों ने 17 मीटर ऊंचाई पर बने हाईवे के करीब 500 मीटर हिस्से को तोड़कर फिर से बनाने की ठान ली है। एनएचएआई अफसरों ने निर्माण एजेंसी को फटकार लगाते हुए देवास रोड ब्रिज से लेकर रेलवे के निर्माणाधीन पुलिया के बीच वाले करीब 500 मीटर हिस्से को तोड़कर फिर से हाईवे निर्माण कराने का अल्टीमेटम दे डाला। इधर, अफसरों के निर्देश के बाद निर्माण एजेंसी जीएचवी कंस्ट्रक्शन ने सोमवार को 2 जेसीबी लगाकर सड़क की खुदाई शुरू करवा दी। इधर, जीएचवी कंपनी के सीनियर इंजीनियर अमित राय ने बताया कि हाईवे धंसा नहीं था। विभाग की थर्ड पार्टी टीम ने कुछ तकनीकी खामी बताई थी। इस कारण यह हिस्सा तोड़ रहे है।

विमुक्ति दिवस पर आदिम महासंघ का महासम्मेलन मुख्यमंत्री के नाम 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • अखिल भारतीय आदिम महासंघ ने विमुक्ति दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद और राज्य स्तरीय महासम्मेलन आयोजित किया। आगर रोड स्थित निजी गार्डन में हुए कार्यक्रम में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध घुमंतू समाजों के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सम्मेलन में समाज की समस्याओं, अधिकारों और मांगों पर चर्चा की गई। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपसिंह ने बताया कि 31 अगस्त को 71 से अधिक उपजातियां विमुक्ति दिवस के रूप में मनाती हैं। उनके मुताबिक ब्रिटिश शासन ने 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लागू कर कई जातियों को अपराधी घोषित किया था। इससे इन समुदायों को लंबे समय तक सामाजिक और कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ा। 31 अगस्त 1952 को इन समुदायों को इस कानून से मुक्ति मिली।

पदाधिकारियों ने कहा कि आजादी के बाद भी कई विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध घुमंतू समुदाय शिक्षा, रोजगार, आवास और सरकारी योजनाओं के लाभ से पूरी तरह नहीं जुड़ पाए हैं। सम्मेलन के जरिए समाज को संगठित कर संवैधानिक अधिकारों और समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। सम्मेलन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। इसमें भूमिहीन परिवारों के पुनर्वास और भूमि आवंटन, जाति प्रमाण-पत्रों में क्षेत्रीय बंधन समाप्त करने और विशेष शिविर लगाकर प्रमाण-पत्र व जरूरी दस्तावेज जारी करने की मांग की गई।

ज्ञापन में पारधी और शिकारी जनजाति को दोबारा स्ज्ञ सूची में शामिल करने तथा मोगिया समाज के पात्र लोगों को स्ज्ञ प्रमाण-पत्र जारी करने की मांग भी रखी गई। इसके अलावा विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध घुमंतू समाज के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने, सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, सरकारी संस्थाओं में उचित प्रतिनिधित्व और शिकारी जनजाति के पात्र लोगों को जाति प्रमाण-पत्र जारी करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

तत्कालीन परिवहन निरीक्षक को 4 साल की सजा, 60 लाख का जुर्माना; आय से 572% ज्यादा संपत्ति मिली थी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में भ्रष्टाचार की विशेष न्यायालय ने तत्कालीन परिवहन निरीक्षक सेवाराम खांडेकर को चार साल के सश्रम कारावास और 60 लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं भरने पर उन्हें एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी को भैरवगढ़ जेल भेज दिया गया। करीब 15 साल पुराने इस मामले में लोकायुक्त की टीम ने 11 नवंबर 2011 को सेवाराम खांडेकर के उज्जैन स्थित 11/3, अलकनंदा नगर स्थित घर पर छापामार कार्रवाई की थी। कार्रवाई के दौरान घर से बड़ी मात्रा में नकदी और जेवरात बरामद हुए थे। जांच में सामने आया कि सेवाराम की कुल आय 27 लाख 37 हजार 628 रुपए थी, जबकि उनका कुल व्यय 1 करोड़ 84 लाख रुपए पाया गया। यह उनकी ज्ञात आय से करीब 572 प्रतिशत अधिक था। इसके आधार पर लोकायुक्त ने उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया। जांच पूरी होने के बाद 30 अगस्त 2014 को उज्जैन की विशेष न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था। मामले की सुनवाई के बाद सोमवार को न्यायालय ने सेवाराम खांडेकर को दोषी ठहराते हुए चार वर्ष के सश्रम कारावास और 60 लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई।

महाकाल की सवारी में पहली बार शामिल; 84 महादेव की झांकी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • भादौ माह की पहली और महाकाल की पांचवीं सवारी सोमवार शाम 4 बजे निकली। बाबा महाकाल पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले। इस दौरान श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल के पांच स्वरूपों के दर्शन हुए। सवारी में पहली बार शामिल किया गया रोबोट सबसे अलग आकर्षण रहा। रोबोट ने रामघाट पर भजन की धुन पर डांस किया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई। सवारी में घुड़सवार पुलिस दल, सशस्त्र पुलिस बल, होमगार्ड, भजन मंडली, झांझ मंडली और पुलिस बैंड शामिल रहे। हेलिकॉप्टर से सवारी पर पुष्प वर्षा भी की गई। रामघाट पर ष्टरू ने की बाबा महाकाल की आरती सवारी के रामघाट पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी पूजन में शामिल हुए। पुजारी आशीष शर्मा ने पूजन करवाया। मुख्यमंत्री ने भगवान महाकाल की आरती की। इसके बाद मां शिप्रा के जल से बाबा महाकाल का अभिषेक किया गया। मंदिर के सभामंडप में प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल ने भगवान महाकाल का पूजन-अर्चन किया था।

मंत्री झांझ-मंजीरे बजाते हुए सवारी में शामिल इसके बाद बाबा को पालकी में विराजित कर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने पालकी में विराजित भगवान को सलामी दी। प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल भी झांझ-मंजीरे बजाते हुए सवारी में शामिल हुए।

महाकाल की सवारी में पहली बार रोबोट को शामिल किया गया। रामघाट पर इसने भजन की धुन पर डांस किया। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार, रोबोट इंदौर की एक निजी कंपनी ने बनाया है। रोबोट को भीड़ में चलने और अव्यवस्था होने पर कंट्रोल रूम को स्वत: सूचना भेजने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। सवारी में शामिल होने से पहले रोबोट की पूजा भी की गई। सवारी में 84 महादेव की धार्मिक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। करीब 1100 बटुक भी सवारी में शामिल हुए। आदिवासी दल के कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुति दी। इसके अलावा शहर के विकास पर आधारित झांकियां भी निकाली गईं।

सवारी के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस बल के 300 से अधिक जवानों ने पुलिस बैंड के साथ भक्तिमय और पारंपरिक धुनें प्रस्तुत कीं। मंदिर के गेट नंबर-1 और महाकाल चौराहा पर पुलिस बैंड की प्रस्तुति हुई। 12 ज्योतिर्लिंगों में भगवान महाकालेश्वर का विशेष स्थान है। उज्जैन का महाकाल मंदिर देश का प्रमुख शिवधाम है और यहां भगवान शिव दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजित हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उज्जैन में महाकाल की उत्पत्ति कैसे हुई? भगवान महाकाल ने उज्जैन को ही क्यों चुना? पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव यहां भक्तों की रक्षा के लिए महाकाल रूप में प्रकट हुए थे।

स्टेशन से महाकाल तक जाम, अव्यवस्थित ऑटो और पार्किंग से श्रद्धालु-वाहन चालक परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक यातायात व्यवस्था लगातार सवालों के घेरे में है। अव्यवस्थित ऑटो रिक्शा और गलत पार्किंग के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर बार-बार जाम की स्थिति बन रही है। रेलवे स्टेशन के बाहर इलेक्ट्रॉनिक तीन पहिया ऑटो रिक्शा के बेतरतीब खड़े होने से वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है। सड़क किनारे और मुख्य मार्ग पर ऑटो खड़े होने से स्टेशन से निकलने वाले वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

यही स्थिति महाकाल चौराहे पर भी देखी जा रही है, जहां कई ऑटो चालक अपने वाहन सड़क पर खड़े कर चले जाते हैं। इससे मार्ग संकरा हो जाता है और यातायात की गति धीमी पड़ जाती है। महाकाल मंदिर क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही के कारण यह समस्या और गंभीर हो जाती है। शहर निवासी रितिक ने बताया कि खराब यातायात व्यवस्था के कारण आए दिन जाम लगता है। उन्होंने प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहनों की पार्किंग पर नियंत्रण की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, जीरो ब्रिज के पास भी सुबह और शाम के समय जाम लगना आम बात हो गई है।

शहर के प्रमुख मार्गों पर लगातार लग रहे जाम से यह सवाल उठ रहा है कि जिम्मेदार विभाग यातायात को सुचारु बनाने के लिए कब ठोस कदम उठाएगा। श्रद्धालुओं और वाहन चालकों की परेशानी को देखते हुए अव्यवस्थित पार्किंग और सड़क पर खड़े ऑटो के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की जा रही है।

यातायात सुधार को लेकर कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक

कुमेड़ी आईएसबीटी को जल्द शुरू करने की तैयारी, एआईसीटीएसएल बसें होंगी पहले शिफ्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए कुमेड़ी में इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार किए गए आईएसबीटी (इंटर स्टेट बस टर्मिनल) को जल्द शुरू करने की तैयारी तेज कर दी गई है। सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने आईडीए, नगर निगम, यातायात पुलिस और अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड के अधिकारियों को आईएसबीटी का संचालन जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि आईएसबीटी के शुरू होने के बाद अंतरराज्यीय बसों को शहर के अंदर आने की जरूरत कम होगी। इससे शहर के मुख्य मार्गों और प्रमुख चौराहों पर बसों का दबाव घटेगा और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ बसों के संचालन, रूट और यातायात व्यवस्था की कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

मुख्य मार्गों पर ई-रिक्शा भी होंगे नियंत्रित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर ने शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ा रहे ई-रिक्शा को नियंत्रित किया जाए। सभी प्रमुख चौराहों के लेफ्ट टर्न चौड़े किए जाएं और यातायात सिग्नल व्यवस्थित किए जाएं। जरूरत वाले चौराहों पर यातायात पुलिस की तैनाती भी सुनिश्चित करने को कहा गया।

हर सड़क पर रोड मार्किंग और जेब्रा क्रॉसिंग

कलेक्टर ने शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर जेब्रा क्रॉसिंग, रोड मार्किंग, कैट्स आई और डेलीनेटर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात सिग्नल आपस में सिंक्रोनाइज किए जाएं, ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारु रहे। निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी नए प्रोजेक्ट का काम शुरू करने से पहले वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जाए। इससे निर्माण के दौरान वाहन चालकों को परेशानी नहीं होगी। सड़क किनारे पार्किंग पर रोक लगाने और यातायात में बाधा बन रहे बिजली के खंभों को शिफ्ट करने के निर्देश भी दिए गए।

हनी ट्रैप : श्वेता मास्टरमाइंड, रेशू उसकी साथी, कई रसूखदारों के बनाए वीडियो

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश में 18 मई को इंदौर में सामने आए हनी ट्रैप पार्ट टू का चालान पुलिस ने पेश कर दिया है। मुख्य किरदार श्वेता जैन और रेशू चौधरी के राज खोल रहा है।

मध्यप्रदेश की राजनीति को हिला देने वाला हनी ट्रैप पार्ट वन इंदौर में ही साल 2019 में उजागर हुआ था। तब पलासिया थाने में तत्कालीन निगम सिटी इंजीनियर हरभजन सिंह ने केस दर्ज कराया था। इसके बाद 18 मई 2026 को मप्र के इंदौर में ही हनी ट्रैप पार्ट टू सामने आया, इसमें इंदौर क्राइम ब्रांच में एफआईआर हुई। दोनों में ही एक ही कॉमन किरदार थी श्वेता विजय जैन। साथ ही एक मिस्ट्री गर्ल और सामने आई सागर की रेशू चौधरी। पुलिस ने इस घटना का चालान पेश कर दिया है। यह 600 पन्नों का चालान मौजूद है।

कहां से खुला एमपी हनी ट्रैप पार्ट 2-शराब और प्रॉपर्टी कारोबारी हितेंद्र उर्फ चिंटू ठाकुर ने क्राइम ब्रांच में 18 मई को दोपहर दो बजकर 55 मिनट पर एफआईआर दर्ज कराई।

(साभार - द सूत्र)

चिंटू ने बाद में लिया श्वेता जैन का नाम

इस शिकायत पर जब एफआईआर हुई तब हनी ट्रैप पार्ट वन की मुख्य किरदार श्वेता विजय जैन, भोपाल का नाम नहीं था। वहीं, एफआईआर होने के बाद जब पुलिस ने औपचारिक तौर पर चिंटू ठाकुर के बयान लिए तब कहा कि घटना के दिन (28 अप्रैल) को इन लोगों ने मुझे धमकाते समय श्वेता विजय जैन का नाम लिया था, मेरे द्वारा दिए आवेदन में श्वेता जैन का नाम लिखना भूल गया था। वह भी इस षड्यंत्र में शामिल थी।

श्वेता के बाद रेशू आई पिक्चर में

चिंटू ठाकुर के कथन में श्वेता का नाम आने के बाद पुलिस ने 19 मई की रात करीब आठ बजे न्यू मीनाल रेसीडेंसी भोपाल से उसकी भी गिरफ्तारी कर ली और इंदौर ले आई। श्वेता से पूछताछ के बाद इस गिरोह में सागर की रेशू चौधरी (उम्र 36 साल) का नाम आया।

जुलाई में होना थी, अब तक नहीं हो सकी कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस

मुख्यमंत्री ने 13 जून को दिए थे निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बावजूद जुलाई में प्रस्तावित कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस अब तक नहीं हो सकी है। अगस्त का महीना सोमवार को खत्म हो गया। ऐसे में अब यह कॉन्फ्रेंस 15 सितंबर के बाद आयोजित किए जाने की संभावना है। सीएम सचिवालय के अधिकारियों के मुताबिक कॉन्फ्रेंस की तारीख जल्द तय की जा सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत 13 जून को कलेक्टर्स के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि जुलाई में कलेक्टर्स-एसपी कॉन्फ्रेंस होगी, जिसकी तारीख जल्द घोषित की जाएगी। हालांकि तय कार्यक्रम के अनुसार कॉन्फ्रेंस नहीं हो सकी। अधिकारियों का कहना है कि पिछले महीनों में राज्यसभा चुनाव, विधानसभा का मानसून सत्र, दतिया उपचुनाव, मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान सहित अन्य कार्यक्रमों के चलते कॉन्फ्रेंस का आयोजन टलता रहा। अब सितंबर में इसके आयोजन की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि भोपाल में होने वाली इस फिजिकल कॉन्फ्रेंस में जिलों की रैंकिंग और अधिकारियों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी। साथ ही सरकार की प्राथमिकता वाले कार्यों की प्रगति और विकास कार्यों के आधार पर जिलों की रैंकिंग का भी आंकलन किया जाएगा। बैठक में कानून-व्यवस्था की स्थिति भी प्रमुख एजेंडा रहेगी।

सोशल बार में वेज-नॉनवेज एक साथ रखा मिला, हेडेली पिज्जा और बिग बास्केट का लाइसेंस भी निरस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में एक बार फिर जिला प्रशासन ने खाद्य संस्थानों पर बड़ी कार्रवाई की है। इसमें तीन संस्थानों में गड़बड़ी मिलने पर लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। यहां पर नॉनवेज एक साथ स्टोर किया जाना, गंदगी आदि मिली है। साफ, स्वच्छ खाद्य उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन की चल रही मुहिम के तहत इंदौर में कार्रवाई जारी है। सीएम मोहन यादव के निर्देश के तहत इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने खाद्य अधिकारियों का दल बनाकर सोमवार को फिर निरीक्षण करवाया। इसके बाद गड़बड़ी मिलने पर तीन के लाइसेंस निरस्त हुए।

यह पाई गई अनियमितता-जांच दल द्वारा सी-21 बिजनेस पार्क रेडिसन ब्लू होटल के सामने स्थित सोशल इंदौर एलएलपी (सोशल रिंग रोड) का निरीक्षण किया गया। इसमें परिसर में साफ सफाई उचित नहीं मिली, स्टोर रूम के दरवाजे खुले पाए गए, वेज एवं नॉनवेज खाद्य पदार्थ एक ही डीप फ्रीजर में रख पाए गए।

कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं पाए गए, पानी की जांच रिपोर्ट नहीं पाई गई। खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट NABLसे करवाना नहीं पाया गया, परिसर की भंडारण व्यवस्था व्यवस्थित नहीं पाई गई। परिसर में साफ सफाई की कमी पाई गई, डस्टबिन खुले पाए गए।

नोटिस का जवाब नहीं दिया था-खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा बताया गया कि निर्धारित समयावधि बीत जाने के बाद भी तीनों प्रतिष्ठानों की ओर से इंप्रूवमेंट नोटिस के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इस पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला इंदौर माधव प्रसाद हासानी द्वारा 31 अगस्त को आदेश जारी कर तीनों प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिए गए।

इनके लाइसेंस हुए निलंबित

जिन प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, उनमें श्री हरिकृष्ण ग्रुप (हेडेली पिज्जा) जेमिनी मॉल स्कीम नंबर 54, इनोवेटिव रिटेल कॉन्सेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (बिगबास्केट) स्कीम नंबर 54 तथा सोशल इंदौर एलएलपी (सोशल रिंग रोड) सी-21 बिजनेस पार्क रैडिसन ब्लू होटल के सामने, एमआर-10 इंदौर शामिल हैं।

आईपीएस ने छोड़ी नौकरी, जोन 4 के डीसीपी सुनील मेहता के वीआरएस को मंजूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मप्र के आईपीएस सुनील मेहता ने नौकरी को अलविदा कह दिया है। जून में उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया था, जिसे अब मप्र शासन ने मंजूरी दे दी है। इंदौर जोन 4 में डीसीपी पद पर पदस्थ आईपीएस सुनील मेहता के वीआरएस को मंजूरी मिल गई है। मप्र शासन ने उनके एक जून 2026 के आवेदन को मंजूरी दे दी है। मेहता प्रमोटी आईपीएस है। उनकी सेवानिवृत्ति 31 अगस्त से मंजूर हुई है।

गृह विभाग ने यह जारी किया पत्र-मप्र शासन गृह विभाग अपर सचिव अन्नू भलावी ने इस संबंध में पत्र जारी किया है। इसमें लिखा है कि सुनील मेहता आईपीएस जोन 4 डीसीपी इंदौर द्वारा 1 जून को नोटिस भेजकर 31 अगस्त से वीआरएस चाहा गया है। अखिल भारतीय सेवा के नियम के तहत उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दी जाती है।

एक साल तक पद नहीं ले सकेंगे-इस पत्र के साथ शर्त लगाई गई है कि मेहता सेवानिवृत्ति के बाद एक साल तक किसी व्यवसायिक पद को नहीं ले सकेंगे।

सुनील मेहता का सफर-मेहता 1996 बैच के राज्य पुलिस सेवा (डीएसपी) के अधिकारी हैं और साल 2016 के प्रमोटी आईपीएस हुए। आईपीएस होने के बाद वह इंदौर ग्रामीण में एसपी रहे और फिर सिवनी एसपी बने और मई 2026 में उन्हें इंदौर में डीसीपी जोन 4 पदस्थ किया गया था।

इंदौर में अब तीन डीसीपी पद रिक्त-इंदौर में अब तीन डीसीपी पद रिक्त हो गए हैं। ट्रैफिक डीसीपी लंबे समय से रिक्त है। अब जोन 4 भी रिक्त हो गया है।

कम रिस्पॉन्स : डीएवीवी इस महीने ईमेल के ज़रिए वीसी हेल्पलाइन फिर से शुरू करेगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • देवी अहिल्या विश्वविद्यालय सितंबर से ईमेल के ज़रिए अपनी वाइस-चांसलर हेल्पलाइन फिर से शुरू करेगा। छात्रों का रिस्पॉन्स कम होने के कारण यह चैनल कुछ समय से सुस्त पड़ गया था। यह फ़ैसला यूनिवर्सिटी की शिकायत निवारण प्रणाली की समीक्षा के बाद लिया गया है। समीक्षा में पाया गया कि छात्र डीएवीवी के अपने डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल करने के बजाय सीएम हेल्पलाइन पर ज़्यादा भरोसा करते हैं या यूनिवर्सिटी में व्यक्तिगत रूप से जाकर शिकायत करते हैं।

यह हेल्पलाइन जनवरी 2024 में शुरू की गई थी ताकि छात्र अपनी एकेडमिक और प्रशासनिक शिकायतें सीधे वाइस-चांसलर के सामने रख सकें। छात्र डीएवीवी के टीचिंग डिपार्टमेंट और उससे जुड़े कॉलेजों से जुड़ी शिकायतें ईमेल कर सकते थे, और यूनिवर्सिटी इस प्लेटफॉर्म के ज़रिए बताई गई कई समस्याओं पर कार्रवाई भी करती थी। शुरुआती दौर में, शिकायतों में कॉलेज में रेगुलर क्लास न होना, अटेंडेंस न लगाना और परीक्षा के नाम पर मनमानी फीस वसूलना जैसी बातें शामिल थीं। प्रशासन ने ऐसी कई शिकायतों पर कार्रवाई की और कॉलेजों से जवाब मांगा। हालांकि, हाल के महीनों में हेल्पलाइन पर मिलने वाली प्रतिक्रिया में कमी आई है। यूनिवर्सिटी ने पाया कि छात्र अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूसरे रास्ते अपना रहे हैं। कई छात्र सीधे यूनिवर्सिटी ऑफिस जा रहे हैं, जबकि शिकायत दर्ज कराने के लिए सीएम हेल्पलाइन भी एक पसंदीदा प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है। हाल ही में लॉन्च किए गए डीएवीवी ई-समाधान ऐप में भी छात्र ज़्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। यूनिवर्सिटी अधिकारियों के मुताबिक, इस साल की शुरुआत में शिकायतों के लिए एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के तौर पर शुरू किए जाने के बावजूद, इस पर महीने में 50 शिकायतें भी नहीं आ रही हैं। वहीं, ष्टरू हेल्पलाइन पर यूनिवर्सिटी का प्रदर्शन अच्छा रहा है। मई-जून 2026 की समीक्षा के दौरान, डीएवीवी को 164 शिकायतें मिलीं और उसने 81.29% वेटेड स्कोर हासिल करके 'ए' ग्रेड प्राप्त किया। यह मूल्यांकन शिकायतों के समय पर निपटारे, शिकायतकर्ता की संतुष्टि और लंबित मामलों जैसे पैमानों पर आधारित है।

7 सितंबर को मांगलिया में मंत्री सिंधिया 43 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • गणेशोत्सव के मौके पर इंदौर जिले की सांवेर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्यों का श्रीगणेश होने के साथ ही लोकार्पण भी होने जा रहा है। ग्राम पंचायत मांगलिया में 7 सितंबर को बड़ा सियासी कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ओर प्रदेश के मंत्रीद्वय इंदरसिंह परमार एवं तुलसीराम सिलावट लगभग 43 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम के तहत मांगलिया में 10 करोड़ रुपये की लागत

से नवनिर्मित आयुष औषधालय का लोकार्पण किया जाएगा। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पांच सड़कें तथा लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से कृषि उपज मंडी मांगलिया में विभिन्न विकास कार्यों सहित ग्राम पंचायत भवन, बहुउद्देशीय कृषक सेवा केंद्र तथा आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जाएगा। मंत्री कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक ली ओर अफसरो को कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इंदौर में नहीं बढ़ेंगे दूध के दाम

दूध विक्रेता संघ की बैठक में फैसला, संघ ने कीऑक्सीटोसिन इंजेक्शन पर रोक की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में दूध के दाम फिलहाल नहीं बढ़ेंगे। इंदौर दूध विक्रेता संघ की बैठक में तय किया गया कि दूध का बंदी भाव 62 रुपए प्रति लीटर और दुकानों पर खुला दूध 65 रुपए प्रति लीटर ही रहेगा। संघ ने कहा कि प्राकृतिक परिस्थितियों और उत्पादन लागत को देखते हुए फिलहाल भाव यथावत रखने का फैसला लिया गया है। परिस्थितियां और पशुआहार के भाव प्रतिकूल होने पर आगे दूध के दाम पर दोबारा विचार किया जाएगा। संघ अध्यक्ष भारत मथुरावाला की अध्यक्षता में हुई बैठक में दूध की गुणवत्ता, उत्पादकों को मिलने वाले दाम और दूध की खरीद-बिक्री की व्यवस्था पर चर्चा हुई। संघ के अनुसार दूध विक्रेता वर्तमान में उत्पादकों को 8.90 रुपए प्रति फैट का भुगतान कर रहे हैं, जो साँची दूध संघ की तुलना में 20 पैसे प्रति फैट यानी करीब 1.20 रुपए प्रति लीटर अधिक है।

गांव से आने वाले दूध के रजिस्ट्रेशन की मांग-संघ ने आरोप लगाया कि गांवों में बैठे ठेकेदार दूध उत्पादकों का शोषण कर रहे हैं। साथ ही खाद्य सुरक्षा मानकों के तहत दूध उत्पादकों और दूध वाहनों के जरूरी रजिस्ट्रेशन का पालन नहीं किए जाने का दावा किया। संघ ने प्रशासन से शहर में आने वाले प्रत्येक दूध वाहन और दूध उत्पादक का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

एंट्री पॉइंट पर मोबाइल लैब से जांच हो-संघ ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए शहर में आने वाले दूध की गुणवत्ता जांचने के लिए एंट्री पॉइंट पर बूथ और मोबाइल लैब शुरू करने की मांग की। संघ का कहना है कि दूध की खरीद-बिक्री में फैट प्रणाली लागू है, इसलिए उत्पादकों से दूध खरीदते समय भी फैट के आधार पर भुगतान व्यवस्था सख्ती से लागू होनी चाहिए। दूध डेरियों पर उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए दूध में कितने फैट की मात्रा है, इसकी जानकारी लिखित में प्रदर्शित करने की मांग भी की गई। बैठक में दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जताई गई। संघ ने पशुओं को प्रतिबंधित आहार खिलाने और ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की।

निगम के दो वार्डों में जमेगा चुनावी रंग, 29 को मतदान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर नगर निगम के वार्ड 58 और 60 में फिर सियासी रणभेरी बज गई है। रिक्त दो पार्षद सीटों के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

29 सितंबर को मतदान होगा और तीन अक्टूबर को मतगणना होगी। अधिसूचना आठ सितंबर को जारी होगी और इसी दिन से नामांकन शुरू होंगे। प्रत्याशी 15 सितंबर तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे।

16 सितंबर को जांच होगी और 18 सितंबर तक नाम वापसी का मौका रहेगा। वार्ड 58 के पार्षद अनवर कादरी को पद से हटाए जाने और पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के बाद सीट रिक्त हुई थी। तत्कालीन संभागायुक्त सुदाम खाड़े ने कार्रवाई की थी। वहीं, वार्ड 60 में पार्षद सुनेहरा अंसारी का निर्वाचन न्यायालय द्वारा निरस्त होने से सीट खाली हुई है।

34,436 मतदाता तय करेंगे फैसला-हाल ही में नगर निगम की मतदाता सूची तैयार हुई है। दोनों वार्डों में कुल 34,436 मतदाता हैं। वार्ड 58 में 18,742 और वार्ड 60 में 15,694 मतदाता हैं। उपचुनाव की घोषणा के साथ ही दावेदार सक्रिय हो गए हैं।

चुनावी कार्यक्रम

8 सितंबर : नामांकन शुरू
15 सितंबर : नामांकन की अंतिम तिथि
16 सितंबर : नामांकन पत्रों की जांच
18 सितंबर : नाम वापसी
29 सितंबर : मतदान
3 अक्टूबर : मतगणना

आईडीए में तैनात गार्डों का वेतन अटका, पीएफ पर भी सवाल

पुरानी सिक्योरिटी एजेंसी के खिलाफ की शिकायत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) में पूर्व में कार्यरत रही एसएस सिक्योरिटी एजेंसी के खिलाफ सुरक्षा गार्डों और श्रमिकों के वेतन व भविष्य निधि (पीएफ) को लेकर गंभीर शिकायत सामने आई है। सामाजिक कार्यकर्ता रूपेश कटारिया ने मुख्यमंत्री से लेकर संभागायुक्त, इंदौर विकास प्राधिकरण, पुलिस कमिश्नर, श्रम विभाग और पीएफ विभाग तक शिकायत भेजकर मामले में तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के मुताबिक एजेंसी के माध्यम से प्राधिकरण में काम करने वाले कई सुरक्षा गार्डों को पिछले तीन-चार माह का वेतन अब तक नहीं मिला है। साथ ही लंबे समय से श्रमिकों के पीएफ की राशि नियमानुसार जमा नहीं किए जाने का आरोप भी लगाया गया है।

यह रखी मांग-शिकायत में मांग की गई है कि पुरानी एजेंसी को किसी भी प्रकार की एडवांस अथवा अन्य देय राशि का भुगतान करने से पहले प्रत्येक सुरक्षा गार्ड से व्यक्तिगत रूप से जानकारी लेकर उसके वेतन और पीएफ का सत्यापन कराया जाए। श्रमिकों के सभी वैधानिक भुगतान सुनिश्चित होने के बाद ही एजेंसी को आर्थिक दायित्व से मुक्त करने की मांग की गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।